दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844   डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'संवेदनशीलता ही वह दृष्टि है, जो हमें हर जीव में जीवन और हर जीवन में अपना अंश देखने की सीख देती है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-158 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 2 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'एक कटोरा पानी, एक मुट्ठी दाना: करुणा, समझ और सह-अस्तित्व की पुकार '

तपती धूप, लू के थपेड़े और सूखते जल स्रोत–यह केवल इंसानों के लिए नहीं, बल्कि धरती पर बसे हर जीव के लिए चुनौती का समय है। ऐसे में सबसे ज्यादा प्रभावित वे पक्षी होते हैं, जिनका जीवन पूरी तरह प्रकृति पर निर्भर है। खेत-खलिहान सूख रहे हैं, जंगल सिमट रहे हैं और शहरों का फैलाव उनके प्राकृतिक घरों को निगलता जा रहा है। परिणामस्वरूप, एक बूंद पानी और एक दाने की तलाश में भटकते पक्षी अब हमारे घरों की छतों की ओर आशा भरी नजरों से देखते हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। इस संदर्भ में एक गंभीर सामाजिक भ्रम भी सामने आता है–हम पक्षियों को 'बेजुबान' कह देते हैं। यह शब्द न केवल गलत है, बल्कि हमारी समझ की सीमाओं को भी उजागर करता है। पक्षी बेजुबान नहीं हैं, उनकी अपनी एक समृद्ध और सजीव भाषा है, जिसे हम 'मानवेत्तर भाषा' कह सकते हैं। उनकी चहचहाहट, पुकार, स्वर और व्यवहार–सब कुछ संवाद का हिस्सा है। वे अपने समूह को खतरे की सूचना देते हैं, साथी को बुलाते हैं, बच्चों को सिखाते हैं और अपने भाव व्यक्त करते हैं।

असल प्रश्न यह है कि जब हम उनकी भाषा को समझ नहीं पाते, तो उन्हें 'बेजुबान' कहने का अधिकार हमें किसने दिया? यह हमारी अज्ञानता है, उनका दोष नहीं। हम आंखों वाले होकर भी अंधे बन जाते हैं, क्योंकि हमारी संवेदनाएं सीमित हो गई हैं। हमें अपनी दृष्टि बदलनी होगी–चश्मा साफ करने से पहले आंखों की दृष्टि को सुधारना होगा। आज का समय हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है। हम अपने लिए तो अन्न के भंडार भर लेते हैं, पानी की टंकियां सजा लेते हैं, लेकिन क्या हमने कभी सोचा कि इस भीषण गर्मी में पक्षियों और अन्य जीवों के लिए क्या व्यवस्था है? क्या हमारी जिम्मेदारी केवल अपने तक सीमित है, या हम इस धरती के सह-निवासी जीवों के प्रति भी कुछ कर्तव्य निभाते हैं? महात्मा बुद्ध का सिद्धांत 'सब्बे मंगलं भवंतु '–अर्थात सबका मंगल हो, सभी प्राणियों का कल्याण हो–हमें यही सिखाता है कि करुणा केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि हम वास्तव में इस विचार को आत्मसात करना चाहते हैं, तो हमें अपने व्यवहार में इसे उतारना होगा।

आज सोशल मीडिया के युग में एक नई प्रवृत्ति देखने को मिलती है–लोग पक्षियों को दाना-पानी देकर उसकी तस्वीर खींचते हैं और उसे साझा करते हैं। यह अच्छी बात है कि जागरूकता बढ़ रही है, लेकिन यदि यह केवल दिखावे तक सीमित रह जाए, तो इसका वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सेवा का मूल्य उसकी निरंतरता में है, न कि प्रदर्शन में। हमें यह कार्य अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा। हर घर की छत पर, हर आंगन में, एक छोटा सा पानी का बर्तन और थोड़ी सी अनाज की व्यवस्था–यह कोई बड़ा काम नहीं है, लेकिन इसका प्रभाव अत्यंत गहरा है। एक प्यासे पक्षी के लिए वह पानी जीवन का सहारा बन सकता है, और एक भूखे पंछी के लिए वह दाना उसकी उड़ान को जारी रखने की शक्ति देता है। यह केवल पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है। भारतीय परंपरा में जीवों के प्रति दया और सह-अस्तित्व की भावना सदियों से रही है। हमें उसी परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

बच्चों में भी यह संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। जब वे देखेंगे कि उनके माता-पिता रोजाना पक्षियों के लिए दाना-पानी रखते हैं, तो उनके भीतर भी करुणा और जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। यही छोटे-छोटे संस्कार भविष्य के समाज को संवेदनशील और संतुलित बनाएंगे।

अंततः, यह समझना होगा कि हम इस धरती पर अकेले नहीं हैं। यह संसार सभी जीवों का साझा घर है। यदि हम इस संतुलन को बनाए रखना चाहते हैं, तो हमें अपने व्यवहार में करुणा, समझ और जिम्मेदारी को स्थान देना होगा।

आइए, आज से एक संकल्प लें–

न केवल एक मुट्ठी दाना और एक कटोरा पानी रखें,

बल्कि अपनी सोच भी बदलें।

पक्षियों को 'बेजुबान' नहीं, बल्कि 'अभिव्यक्त जीव' मानें,

और उनकी भाषा को समझने की विनम्रता विकसित करें।

यही सच्ची मानवता है, यही सच्चा धर्म है।

डॉक्टर्स की रिटायरमेंट उम्र 70 करने के प्रस्ताव का विरोध: एसोसिएशन ने कहा- इससे नए युवा डॉक्टर्स के लिए मौका घटेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में फेकल्टी (MBBS, MD) डॉक्टर्स की रिटायरमेंट उम्र 65 से बढ़ाकर 70 करने का प्रस्ताव मेडिकल डिपार्टमेंट में भेजा है। इसका अब विरोध शुरू हो गया। राजस्थान मेडिकल कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन (RMCTA) ने इसका विरोध जताते हुए मेडिकल डिपार्टमेंट की प्रमुख शासन सचिव को पत्र लिखकर इसे युवा डॉक्टर्स के करियर के लिए घातक बताया है। RMCTA के अध्यक्ष डॉ. धीरज जैफ ने बताया- अभी चिकित्सा शिक्षा विभाग में सेवानिवृत्त की आयु 65 साल है। वहीं, 62 की उम्र तक डॉक्टर्स हॉस्पिटल या मेडिकल कॉलेजों में प्रशासनिक पद पर कार्य कर सकते हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के पदों पर पर्याप्त मेडिकल टीचर्स उपलब्ध हैं। ऐसे में इनकी रिटायरमेंट की उम्र को 65 से बढ़ाकर 70 करना ठीक नहीं। इससे उन युवा डॉक्टर्स के करियर को नुकसान होगा, जो अभी सरकारी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेजों में संविदा पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

प्राइवेट कॉलेजों में है 70 की उम्र

वर्तमान में नेशनल मेडिकल काउंसिल के नियम के तहत मेडिकल कॉलेज टीचर्स के रिटायरमेंट की उम्र 70 साल निर्धारित है, लेकिन ये नियम अभी केवल प्राइवेट मेडिकल कॉलेज ही फोलो कर रहे हैं। राज्य सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में रिटायरमेंट की उम्र 65 साल निर्धारित कर रखी है। डॉ. जैफ ने बताया- साल 2018 में सरकार ने मेडिकल शिक्षकों की रिटायरमेंट उम्र को 62 से बढ़ाकर 65 साल किया था। लेकिन सरकार कुछ डॉक्टर्स जो रिटायर्ड होने वाले है या रिटायर्ड होकर वापस सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने अपने निजी हित के लिए 70 साल का प्रस्ताव तैयार करके सरकार को भिजवा दिया है।

रिटायरमेंट के बाद ही खाली होती है सहायक आचार्य की पोस्ट

डॉ. जैफ ने बताया- सरकार ने अभी डॉक्टर्स टीचर्स के प्रमोशन को टाइम बाउंड कर रखा है। डीएसीपी स्कीम में पदौन्नति के अनुसार जब तक कोई डॉक्टर सीनियर प्रोफेसर से रिटायर नहीं होता, तब तक वह पद सहायक आचार्य के पद में बदलाव नहीं होता। अतः यूथ डॉक्टर्स के लिए सहायक आचार्य के पदों की उपलब्धता कम होगी।

चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक पहुंचे रींगस

अस्पताल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, लैब का निरीक्षण किया

भीम प्रज्ञा न्यूज.रींगस।

रींगस में भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सत्यनारायण धौलपुरिया ने शुक्रवार को रींगस के राजकीय उप जिला अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. धौलपुरिया ने कूलर, एयर कंडीशनर, ओआरएस घोल और दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके

अतिरिक्त, उन्होंने लू से प्रभावित मरीजों के लिए अलग से बिस्तर आरक्षित रखने के निर्देश भी दिए।

लैब का निरीक्षण किया

डॉ. धौलपुरिया ने अस्पताल के वार्ड, ओपीडी, टीकाकरण कक्ष और प्रयोगशाला का भी गहन निरीक्षण किया। उन्होंने गर्मी से बचाव के लिए कूलर, पंखे, एयर कंडीशनर और स्वच्छ पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान अस्पताल के पीएमओ डॉ. जितेंद्र सिंह निठारवाल, डॉ. रामावतार दायमा, डॉ. रमेश यादव, डॉ. अविकेश अग्रवाल, डॉ. मनीष मीणा, नर्सिंग ऑफिसर अशोक शर्मा, मोतीराम बिजारणियां सहित अनेक चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सरकारी योजनाओं से आमजन को लाभान्वित करें- एसडीएम मोहरसिंह मीणा

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा ने कहा है कि सरकारी योजनाओं से आम जन को लाभान्वित करें। उपखण्ड अधिकारी ने राजस्थान सरकार द्वारा कृषक,पशुपालकों और आमजन के कल्याणार्थ ग्राम रथ अभियान में सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी के दौरान यह बात कही। ग्राम रथ अभियान के नोडल अधिकारी एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विधाधर शर्मा के नेतृत्व में उपखण्ड की ग्राम पंचायत यालसार, लालसी, खुड़ी बड़ी, घस्सू, जसरासर में ग्राम रथ ने भ्रमण के दौरान राजस्थान की धार्मिक व सांस्कृतिक धरोहर राज्य ,सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी गई।इस दौरान जसरासर ग्राम पंचायत में सरपंच किरण देवी जांगिड़ की अध्यक्षता में कठपुतली अनारकली कार्यक्रम का आयोजन कर सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए सामाजिक सरोकारों व सरकारी के लोकप्रिय कार्यक्रम की जानकारी देकर शिक्षा, पर्यावरण एवं जल सरंक्षण का संदेश दिया गया। शिक्षा विभाग की तरफ़ से संदर्भ व्यक्ति सुरेश कुमार भास्कर व संस्थापन अधिकारी भंवरसिंह जाखड़ ने प्रवेशोत्सव अभियान में नव प्रवेशी बच्चों को शाला में प्रवेश दिलाकर नामांकन बढ़ाने पर बल दिया।अभियान में सभी विभागों के अधिकारियों एवं आमजन ने सक्रियता से भाग लिया ।इस अवसर पर आमजन के लिए सुझाव पेटिका रखकर सुझाव आमंत्रित किए गए।सामाजिक कार्यकर्ता चिरंजीलाल जांगिड़ द्वारा जलपान व अल्पहार की शानदार व्यवस्था की गई।

नीमराना में 'ऑपरेशन विरोधी विष 3.0' के तहत छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से किया नशे पर प्रहार

'दवाओं के लिए नहीं कहा' के नारे से गूंजा सार्वजनिक स्थल, 'एक काम अपने बच्चों के नाम' मुहिम को मिला समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन विरोधी विष 3.0' के तहत जारी आदेशों की अनुपालना में नीमराना पुलिस थाना के तत्वावधान में गुरुवार को सार्वजनिक स्थान पर नशे के खिलाफ एक सशक्त नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। स्थानीय विद्यालय की छात्राओं ने नाटक के माध्यम से युवाओं और आमजन को ड्रग्स के घातक दुष्प्रभावों से अवगत कराया। छात्राओं ने अपने अभिनय से दिखाया कि कैसे नशा एक हंसते-खेलते परिवार को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देता है। नशे की लत, उससे होने वाली शारीरिक-मानसिक बीमारियां और सामाजिक बहिष्कार को नाटक में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य संदेश 'दवाओं के लिए नहीं कहा' रहा, जिसके तहत सभी से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग की अपील की गई। नुक्कड़ नाटक के साथ-साथ बच्चों ने हाथों में स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर 'एक काम अपने बच्चों के नाम' मुहिम को भी आगे बढ़ाया। 'नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो', 'अपने बच्चों के भविष्य के लिए नशे को ना कहें' जैसे संदेशों से लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कस्बे के प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं और महिलाओं सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। दर्शकों ने छात्राओं की प्रस्तुति की मुक्त कंठ से सराहना की और नशे के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प लिया। पुलिस थाना नीमराना ने बताया कि 'ऑपरेशन ऑपरेशन विरोधी 3.0' का उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे के जाल से बचाना है। पुलिस ने आमजन से आह्वान किया कि वे नशा तस्करी की सूचना तुरंत पुलिस को दें और अपने बच्चों पर विशेष ध्यान रखें ताकि वे गलत संगत में न पड़ें।

हापास के कैलाश प्रजापत बने डॉक्टर

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

हापास गांव निवासी कैलाश प्रजापत ने जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर डाक्टर बनने पर पारिवारिक सदस्यों, शुभचिंतकों व सहयोगियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है। डॉ प्रजापत ने अपनी सफलता का श्रेय गुरूजनों व परिजनों को दिया है।

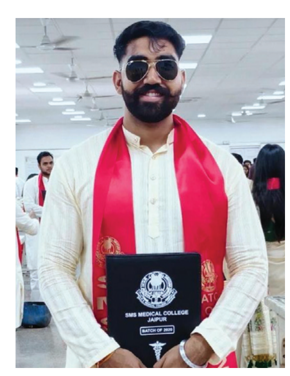

खांदवा में भैया बाबा का वार्षिक उत्सव: 'एक पंगत-एक संगत' ने दी सामाजिक एकता की मिसाल, पूरे गांव ने एक साथ बैठकर ली प्रसादी

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

ग्राम खांदवा में कुलदेवता भैया बाबा का दो दिवसीय वार्षिक उत्सव 'चांदनी चौदस' पर आयोजित किया गया। इस आयोजन में आस्था, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त रहा और 'एक पंगत-एक संगत' की परंपरा ने सामाजिक एकता की मिसाल पेश की।उत्सव का सबसे प्रेरणादायक दृश्य तब सामने आया जब पूरे गांव ने बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा-सभी एक पंक्ति में बैठे थे, जहां कोई ऊंच-नीच या जाति-पांति का फर्क नहीं था। 'एक पंगत-एक संगत' की इस परंपरा ने गांव में भाईचारे और समानता का जीवंत संदेश दिया। आयोजन को पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प सख्ती से निभाया गया। पूरे कार्यक्रम में कहीं भी सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं हुआ। प्रसाद वितरण, भोजन व्यवस्था और अन्य सभी गतिविधियां पर्यावरण अनुकूल तरीकों से संपन्न की गईं। यह पहल गांव के लिए ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बनी। चांदनी चौदस की पावन रात्रि में मंदिर परिसर में भव्य जागरण का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता घीसाराम मास्टर ने की।

इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि सुपोषण का विशेष अनुष्ठान भी चला। मातृशक्ति अपने खेतों से मिट्टी, जल, पत्ते और फूल लेकर पहुंचीं और गांव की खुशहाली, समृद्धि तथा प्राकृतिक खेती के लिए प्रार्थना की।भूमि सुपोषण कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों ने रासायनिक खाद और यूरिया के उपयोग को कम करने तथा प्राकृतिक खेती अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया। रामधन गोस्वामी ने भजनों और प्रवचनों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाया। उन्होंने सामाजिक समरसता, छुआछूत मिटाने, जल और पर्यावरण संरक्षण और पेड़-पौधे लगाने का संदेश दिया। सेवा भावना भी इस आयोजन की पहचान रही। भोजन के बाद बर्तनों की सफाई में नव युवक मंडल, ग्राम विकास समिति, युवा और मातृशक्ति ने मिलकर भाग लिया। सभी ने इसे जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा का अवसर समझकर निभाया।

एक पंगत और एक संगत में बैठकर सामुहिक रूप से स्टील के बर्तन में प्रसाद लेते हुए ग्रामीण

खान्दवा गांव में आयोजित कार्यक्रम में युवक मंडल द्वारा बर्तन साफ करते हुए

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

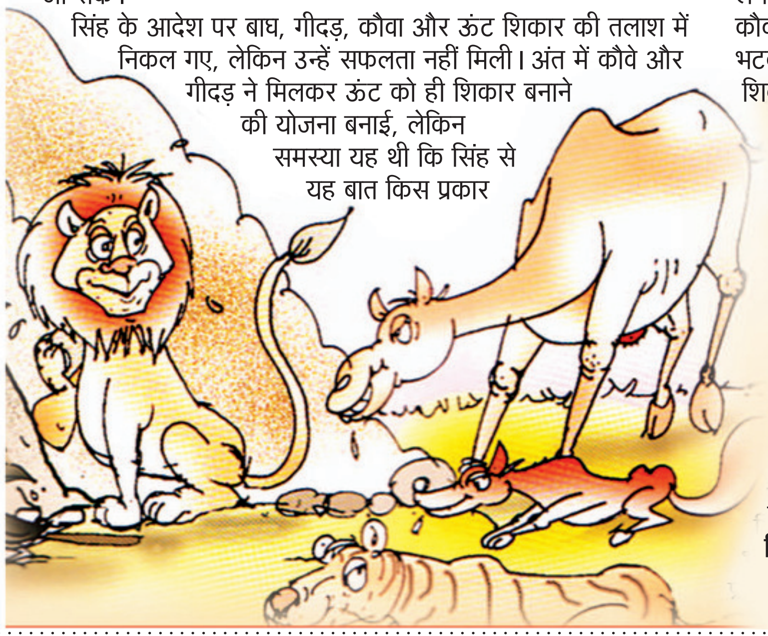

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपि I नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

कहानी क्रोनोमीटर की

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशर्ते कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्जे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षों से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे-हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

बुद्ध पूर्णिमा पर जय पहाड़ी नगर में निकली भव्य प्रभात फेरी, धम्म संदेशों से गूंजा वातावरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.बगड़।

पावन पर्व बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर जय पहाड़ी नगर में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ भव्य प्रभात फेरी एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भंते विनयपाल जी के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। प्रातःकाल निकली प्रभात फेरी नगर के विभिन्न मार्गों से होकर बुद्ध विहार जय पहाड़ी पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान पूरे क्षेत्र में बुद्ध वंदना, 'जय भीम' और धम्म के संदेशों की गूंज सुनाई दी। फेरी में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रभात फेरी के माध्यम से गौतम बुद्ध के शांति, अहिंसा, करुणा और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर की गई। भंते विनयपाल जी ने अपने धम्म उपदेश में कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है और वर्तमान समय में उनके विचारों को अपनाकर ही समाज में व्याप्त भेदभाव, हिंसा और अशांति को समाप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. लता चंदन (बी.डी.के. हॉस्पिटल, झुंझुनूं) उपस्थित रहीं, जबकि अध्यक्षता विजय गोपाल (कोषाध्यक्ष, विकास समिति झुंझुनूं) ने की। विशिष्ट अतिथियों में रामानंद आर्य, मालीराम, सत्यनारायण गर्वा, डॉ. अशोक गर्वा, ईश्वर लाल मण्डाड और खुडाना सरपंच महावीर सिंह जोया शामिल रहे।

वक्ताओं में डॉ. विकास काला, मनोज मेघवाल, विकास गोठवाल, राजवीर सिंह नारनोलिया, ओमप्रकाश सुनिया और रामपाल सीकर ने अपने विचार रखते हुए समाज को शिक्षा, संगठन और संघर्ष के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। साथ ही सभी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के समतामूलक समाज के सपने को साकार करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद स्वरूप खीर का वितरण किया गया। संचालन बुद्ध विहार ट्रस्टी सचिव बलबीर सिंह काला ने किया। इस अवसर पर बुद्ध विहार ट्रस्टी मैनेजर दुर्गा प्रसाद बोयल, पूर्व भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा, पूर्व चेयरमैन सतवीर बरवड़, डॉ. राजेंद्र मेहरिया, यशपाल शेखावत, पंकज बौद्ध सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, युवा, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहें।

सूरजगढ़ में महिला स्वास्थ्य दर्शिका सुदेश कुमारी का सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ खंड के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र काकोड़ा में कार्यरत महिला स्वास्थ्य दर्शिका श्रीमती सुदेश कुमारी के 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उन्हें गुरुवार को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त किया गया। इस अवसर पर पीएचसी परिसर में एक गरिमामय विदाई समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) डॉ. हरेंद्र धनखड़ ने की। अपने संबोधन में उन्होंने सुदेश कुमारी के लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके समर्पण, अनुशासन और कार्य के प्रति निष्ठा को प्रेरणादायक बताया। समारोह में पीएचसी काकोड़ा की प्रभारी अधिकारी डॉ. पूनम झाझरिया, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर राजेश चेतीवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने सुदेश कुमारी के योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया और भावभीनी विदाई दी।

इस दौरान बीसीएमओ डॉ. हरेंद्र धनखड़ एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी विजयपाल पाटिल द्वारा सुदेश कुमारी को पेंशन पीपीओ नंबर की प्रति भी सौंपते हुए उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में बीसीएमओ कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा, जिसमें बीपीएम सुमेर सिंह मीणा और लेखाकार प्रियंका कुमारी सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। वहीं, कार्मिक की सेवानिवृत्ति के समय ही पेंशन जारी करवाने की सराहना करते हुए सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बीसीएमओ डॉ. हरेंद्र धनखड़ और सहायक प्रशासनिक अधिकारी विजयपाल पाटिल के कार्य की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सुदेश कुमारी के स्वस्थ, सुखद और समृद्ध भविष्य की कामना की।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय को मिला प्रिंटर, संस्था की ओर से भामाशाह का किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कुमास जाटान को एडवोकेट सुमित कुमार शर्मा सुपुत्र केशरदेव शर्मा निवासी कुमास जाटान की ओर से प्रिंटर भेंट किए जाने पर संस्था प्रधान रामावतार फगेडिया के नेतृत्व में विद्यालय की ओर से साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षक धर्मपाल, निर्मला, प्रियंका, अभिभावक सीमा देवी, ग्यारसी देवी, कमलेश, सुमन व विद्यार्थी मौजूद थे।

राजकीय महाविद्यालय बुहाना में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार सत्र 2026-27 के लिए राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु ऑनलाइन प्रक्रिया 1 मई से प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में राजकीय महाविद्यालय बुहाना में भी बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार इच्छुक विद्यार्थी 1 मई 2026 से 15 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि महाविद्यालय में बी.ए. संकाय के अंतर्गत अंग्रेजी साहित्य, हिंदी साहित्य, भूगोल, राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं संस्कृत सहित कुल सात ऐच्छिक विषय उपलब्ध हैं।उन्होंने बताया कि प्रवेशित विद्यार्थियों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा, जिनमें मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना, कालीबाई भील छात्रवृत्ति योजना, देवनारायण छात्रवृत्ति योजना तथा ट्रांसपोर्ट वाउचर योजना प्रमुख हैं। इसके अलावा छात्राओं के लिए निःशुल्क लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाता है।महाविद्यालय के हेल्प डेस्क अधिकारी कमल कुमार के अनुसार ऑनलाइन आवेदन के लिए आधार कार्ड, जन आधार कार्ड, 10वीं एवं 12वीं की अंकतालिका, बैंक पासबुक, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास, ईमेल आईडी तथा एसएसओ आईडी आवश्यक होगी। विद्यार्थी नजदीकी ई-मित्र केंद्र के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। प्रवेशित विद्यार्थियों की वरीयता सूची 20 मई 2026 को जारी की जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या के समाधान के लिए हेल्प डेस्क अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

सुजावलपुर के राजकीय विद्यालय में 'मदर्स डे' पर आर्ट एवं क्राफ्ट कार्यशाला आयोजित, बच्चों ने बनाए आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड्स

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीगंगानगर।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुजावलपुर में 'मदर्स डे' के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क आर्ट एवं क्राफ्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कलात्मक अभिरुचि विकसित करना और उनकी सृजनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक कलाकार निखिल झा एवं निलिशा वर्मा ने बच्चों को चित्रकला की बारीकियों और आधुनिक आर्ट तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। सरल और सहज तरीकों से दी गई इस प्रशिक्षण प्रक्रिया ने विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार किया। इस आयोजन में सचिन शर्मा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राओं ने बेहद आकर्षक और सुंदर ग्रीटिंग कार्ड्स तैयार कर अपनी माताओं के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना व्यक्त की। बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता कार्यक्रम में साफ झलकती नजर आई।विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश कुमार लोहिया ने इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों की रचनात्मक शक्ति का विकास होता है और वे नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित होते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने प्रशिक्षकों, विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों को शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहें।

चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी में भगवा रक्षा वाहिनी ने कच्ची बस्ती के वाशिंदों को ठंडी छाछ का वितरण कर दी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

चिलचिलाती धूप व भीषण गर्मी के मौसम में भगवा रक्षा वाहिनी ने कच्ची बस्ती के वाशिंदों को ठंडी छाछ का वितरण कर राहत प्रदान की। यह जानकारी देते हुए वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी ने बताया कि लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत के अध्यक्ष समाजसेवी प्रभु दयाल काबरा की प्रेरणा एवं दानदाता के सहयोग से क्षेत्र की कच्ची बस्तियों में ठंडी छाछ का वितरण किया गया। इस अवसर पर वाहिनी के अध्यक्ष जयशंकर पुजारी उपाध्यक्ष ताराचंद ठेकेदार महामंत्री अमित कुमार जोशी पार्षद पवन वाल्मीकि बजरंगी सोनी आदि कार्यकर्ताओं ने वितरण में सहयोग किया।

रैफल्स विश्वविद्यालय नीमराना में गरिमामय तरीके से मनाया अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस, श्रमिकों के योगदान को किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिवार ने इस अवसर पर श्रमिकों के अमूल्य योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण किया और उनके अधिकारों एवं सामाजिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रम के सम्मान को बढ़ावा देना और श्रमिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राजेंद्र सिंह सांगवान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र और संस्था की प्रगति की नींव श्रमिकों के परिश्रम और समर्पण पर टिकी होती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि श्रमिक वर्ग के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। डॉ. सांगवान ने सभी से आह्वान किया कि श्रमिकों को उचित सम्मान और अधिकार मिलें, इसके लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संजय सक्सेना ने भी अपने उद्बोधन में श्रम के सम्मान और सामाजिक समानता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने श्रमिकों को कितना सम्मान देता है। डॉ. सक्सेना ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को श्रमिकों के प्रति संवेदनशील और सम्मानजनक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के डीन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में श्रमिकों के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का समापन श्रमिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के संकल्प के साथ किया गया।

नीमराना में डॉ. ज्ञानचंद के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित, एडिशनल एसपी सुरेश खींची ने रक्तदान कर दिया संदेश

85 यूनिट रक्त संग्रहित, संत-महात्माओं ने रक्तदाताओं को किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । सतीश हॉस्पिटल नीमराना में गुरुवार को हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्ञानचंद के 38वें जन्मदिन के शुभ अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी नीमराना सुरेश खींची ने दीप प्रज्वलित कर व रिबन काटकर किया। एडिशनल एसपी खींची ने स्वयं रक्तदान कर युवाओं को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में संत महात्माओं का विशेष सानिध्य रहा। महाराज शीतल नाथ, महाराज बालक नाथ, योगी बाबा फूलनाथ महाराज व महाराज श्रद्धा नाथ ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया और उनको आशीर्वाद दिया। संतों ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। सतीश हॉस्पिटल के निदेशक वीरेंद्र मास्टर ने बताया कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। नियमित रक्तदान से इंसान का शरीर स्वस्थ रहता है। नियमित रक्तदाता का बीपी, शुगर व हृदय रोग होने की संभावना 80' तक कम हो जाती है। उन्होंने सभी से साल में कम से कम दो बार रक्तदान करने की अपील की। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कुल 85 रक्तदाताओं ने उत्साह से रक्तदान किया। रक्त का संचय सचखंड ब्लड सेंटर की टीम ने किया। खास बात यह रही कि सतीश हॉस्पिटल की महिला डॉक्टर्स ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान कर समाज को प्रेरणा दी। शिविर को सफल बनाने में डॉ. कप्तान यादव, डॉ. नरोत्तम सिंह, डॉ. सतीश यादव, के. डी. यादव, संजय शर्मा, पूर्व सरपंच जनक सिंह, राजीव भारद्वाज, सरदार चरणजीत सिंह, हवलदार शेर सिंह व समस्त सतीश हॉस्पिटल टीम का सहयोग अतुलनीय रहा। निदेशक वीरेंद्र मास्टर व डॉ. ज्ञानचंद ने समस्त रक्तदाताओं, रक्त संचय करने वाली सचखंड ब्लड सेंटर टीम और सभी वॉलिंटियर्स का सफल आयोजन के लिए हृदय की गहराइयों से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में जागरूकता लाते हैं और कई जिंदगियों को बचाने में मदद करते हैं।

लोहिया स्कूल के छात्रों ने जीब्रेन अबेकस चैंपियनशिप में दिखाई प्रतिभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

2 अप्रैल 2026 को जीब्रेन अबेकस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें लोहिया शिक्षण संस्थान के कुल 56 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूनियर वर्ग में हर्षिता ने प्रथम स्थान, भावी ने द्वितीय स्थान तथा सानवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग में प्रियांशु प्रथम, तेजल द्वितीय तथा सुशील और मोहित संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहें। इन्हें ब्रेन कंपनी की तरफ से शील्ड तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य विद्यार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिन विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया उनमें अवनी, अयानशी, नवीन, मोहित, आरिज, जीनल, भावी, प्रांजल, मिस्ती, जीविका, तन्वी, भावेश, पार्थ, माहिका, कबीर, भाग्या, मानवी, पल्लव, जतिन, तक्षिता, इनाया, प्रियल, ऋषभ, आरव, नारवी, अयान आदि शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक राम सिंह नेहरा, जगपाल यादव एवं अभय सिंह बडेसरा, प्रिंसिपल प्रमोदनी दुबे, प्रमिला झाझडिया, सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा तथा पूरनमल गजराज सहित सभी विद्यार्थी एवं अध्यापक गण उपस्थित रहे। ब्रेन निर्देशक प्रवीण जी एवं अबेकस प्रशिक्षिका उषा तंवर के निर्देशन में बच्चों ने उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागी विद्यार्थियों के सम्मान के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

भामाशाह पंकज सैनी ने स्कूल को भेंट किया वाटर कूलर, बच्चों को मिलेगा शीतल जल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा के डालमिया की ढाणी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में भामाशाह पंकज सैनी द्वारा वाटर कूलर भेंट किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में शांतिदेवी सैनी ने इसका लोकार्पण किया। संस्था प्रधान सुरेश कुमार श्योराण ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान पंकज सैनी ने वाटर कूलर देने की घोषणा की थी, जिसके तहत आज करीब 30 हजार रुपये लागत का 40 लीटर क्षमता वाला वाटर कूलर विद्यालय को प्रदान किया गया। इससे भीषण गर्मी में विद्यार्थियों को शीतल पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। भामाशाह पंकज सैनी ने यह वाटर कूलर अपने दादा स्वर्गीय दयाराम सैनी की स्मृति में तथा लक्ष्यराज सैनी के जन्मदिन के अवसर पर भेंट किया। कार्यक्रम में सैनी परिवार के सदस्य संतोष देवी, कौशल्या देवी, बबीता, नयन सैनी, डॉ. प्रीति सैनी, विजेंद्र सैनी, मोहित सैनी, अशोक सैनी, विजय सैनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे, वहीं विद्यालय स्टाफ से रितु शर्मा, सुदेश फोगाट, सरोज, पुष्पा देवी तथा सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में संस्था प्रधान ने भामाशाह पंकज सैनी एवं उनके परिवार का आभार व्यक्त किया।

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ बाबा उमद सिंह वार्षिक मेला, श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पर आयोजित बाबा उमद सिंह वार्षिक मेले का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। इस दौरान निकाली गई आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और पूरे कस्बे में भक्तिमय माहौल बन गया।कलश यात्रा मेंढी धाम से प्रारंभ होकर छितरी धाम मंदिर प्रांगण तक पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। सिर पर कलश धारण किए महिलाओं की श्रद्धा और भक्ति ने सभी को भावविभोर कर दिया। वहीं, सजी-धजी झांकियों में धार्मिक प्रसंगों का सुंदर चित्रण देखने को मिला। यात्रा के दौरान शहर के मुख्य मार्गों पर जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। पूरे मार्ग पर 'जय बाबा उमद सिंह' के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। मेला समिति के तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन से पूरे क्षेत्र में आस्था और उल्लास का माहौल बना हुआ है। कलश यात्रा के समापन के बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मेले के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। शाम को कबड्डी प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। खिलाड़ियों ने जोश और उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मेला समिति के अनुसार, आगामी दिनों में भव्य कुश्ती दंगल सहित कई अन्य सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 2 मई को बाबा उमद सिंह को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा, जो मेले का प्रमुख आकर्षण रहेगा। इसी दिन शाम को आयोजित होने वाले कुश्ती दंगल में दूर-दूर से आए पहलवान अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। विजेता पहलवान को 31 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह वार्षिक मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक परंपरा और खेल भावना को भी बढ़ावा देता है। मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ इस आयोजन की लोकप्रियता और महत्व को दर्शा रही है।

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने किया इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब का दौरा

क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगा मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब

रेल संपर्क का कार्य अंतिम चरणों में

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने एनआईसीडीसी (राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम) के प्रबंध निदेशक रजत कुमार सैनी के साथ आज जिला महेंद्रगढ़ के नांगल चौधरी क्षेत्र में विकसित किया जा रहा 'इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब' का निरीक्षण किया। इस मौके पर एचएसआईआईडीसी के एमडी सुशील सारवान, उपायुक्त अनुपमा अंजली, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव भी मौजूद थे। हरियाणा सरकार के सहयोग से बन रहा यह हब न केवल राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार का केंद्र बनकर उभरेगा।

इस मौके पर समीक्षा बैठक में डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को गति देकर स्थानीय कौशल को काम देना है। बैठक के बाद पूरे क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और गति का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बताया कि लगभग 886.78 एकड़ क्षेत्र में फैला यह केंद्र वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारा) के किनारे स्थित होने के कारण व्यापारिक दृष्टि से पूरे देश के लिए रीढ़ की हड्डी साबित होगा। उन्होंने बताया कि यह विकास का एक ऐसा 'ईको-सिस्टम' है जो आने वाले समय में हजारों अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री की सक्रियता के चलते इस परियोजना के लिए भूमि हस्तांतरण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वर्तमान में न्यू डाबला रेलवे स्टेशन से परियोजना स्थल तक रेल संपर्क का कार्य अंतिम चरणों में है, जिसके मई 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा आंतरिक रेल यार्ड और प्लेटफार्म बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के पूर्ण होने पर यहा कंटेनर फ्रेट स्टेशन, ऑटो जोन (वाहन क्षेत्र) और आधुनिक भंडारण की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अधिकारियों ने इस दौरे के माध्यम से आश्वस्त किया कि यह रसद केंद्र भारतीय व्यापार जगत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होगा। इस अवसर पर एचएसआईआईडीसी के एजीएम रघुवीर सिंह, मैनेजर ज्ञानवीर पूनिया, एसपीवी के सीओओ संजीत सिंह तथा सीनियर मैनेजर रवि सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कई वर्षों से बंद रास्ता खुलवाया, ग्रामीणों ने जताई खुशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । तहसीलदार डॉ. सुरेन्द्र भास्कर, मंडावा के निर्देशों की पालना में ग्राम हेतमसर में लंबे समय से बंद पड़े रास्ते को आखिरकार राजस्व टीम द्वारा खुलवा दिया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम हेतमसर के खसरा नंबर 405, जिसकी किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज है, पिछले कई वर्षों से अवरुद्ध पड़ा हुआ था, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। तहसीलदार के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पुलिस बल की मौजूदगी में रास्ते को पुनः खुलवाया। इस दौरान भू-अभिलेख निरीक्षक नुआं श्री सतीश झुर्रिया, पटवारी राजेंद्र, चीना देवी, विजय कुमार काला तथा एएसआई महेश कुमार सहित पुलिस टीम मौजूद रही। राजस्व टीम की इस कार्रवाई से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने रास्ता खुलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए टीम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह रास्ता खुलने से अब गांव में आवागमन सुगम हो सकेगा और दैनिक कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होंगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से भविष्य में भी ऐसे जनहित कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की है, जिससे आमजन को राहत मिल सकें।

परोपकार की बयारः अपनों के लिए 'अपना घर' की अनूठी पहल

अन्नदान से महका मानवता का आंगन, महुवा से भरतपुर भेजा रसद का ट्रक

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महुवा उपखंड क्षेत्र की माटी में रचे-बसे सेवा भाव और ग्रामीण परिवेश की अटूट परंपरा को जीवंत करते हुए 'अपना घर सेवा समिति' ने एक बार फिर नर सेवा को नारायण सेवा मानकर मिसाल पेश की है। समिति के सदस्यों ने आपसी सहयोग की अनूठी कड़ियां जोड़ते हुए भरतपुर स्थित अपना घर आश्रम में रह रहे निराश्रित और लाचार 'प्रभु जनों' के सहायतार्थ रसद सामग्री का बड़ा खेप रवाना किया है। सेवा की इस बहती गंगा में जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए समिति द्वारा कुल 235 कट्टे गेहूं, 32 कट्टे नमक और एक पीपा तेल अन्नदान स्वरूप भेजा गया है। क्षेत्र के भामाशाह हनुमान बंसल ने इस सेवा रथ को हरी झंडी दिखाकर भरतपुर के लिए रवाना किया। मीडिया प्रभारी अवधेश अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया कि परोपकार का यह सिलसिला वर्षों से अनवरत जारी है, जिसके तहत इस बार भी ट्रक के माध्यम से प्रचुर मात्रा में खाद्य सामग्री भिजवाई गई है ताकि आश्रम में प्रभु स्वरूप रह रहे पीड़ितों की भोजन व्यवस्था सुचारू रह सके। इस पुनीत कार्य के दौरान ग्रामीण अंचल की एकजुटता और सेवा के प्रति समर्पण साफ नजर आया। मानवता के इस महायज्ञ में अपना घर सेवा समिति के अध्यक्ष नेमीचंद अग्रवाल, महामंत्री ब्रजबल्लभ अग्रवाल, संयोजक हरि सिंह मीणा, कोषाध्यक्ष बलवीर सैनी सहित संरक्षक प्रेमचंद गोयल और वेद प्रकाश गोयल ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर अखिलेश चौधरी, सुमन अजमेरा, कृपांशु अजमेरा, नीरज जैन सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और पदाधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

चिड़ावा में होम्योपैथी के सार्वजनिकीकरण के लिए प्रशिक्षण आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

जिले के चिड़ावा में होम्योपैथी के सार्वजनिकीकरण अभियान के तहत आशा, एएनएम एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि यह अभिनव पहल झुंझुनूं जिले से शुरू होकर होम्योपैथी जैसी सरल, सुरक्षित और प्रभावी चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने कार्यकर्ताओं से इस अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में डॉ. रमेश यादव, डॉ. प्रमोद पाल, डॉ. अविल जैन, डॉ. आयुषी गौड़ और डॉ. संदीप प्रेमी ने होम्योपैथी के सिद्धांत 'जैसा रोग, वैसी औषधि' पर आधारित उपचार पद्धति और उसके व्यवहारिक उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम में 15 प्रमुख औषधियों, सामान्य रोगों में इनके सुरक्षित उपयोग, रोगी रजिस्टर संधारण, फॉलोअप प्रक्रिया तथा आवश्यकता पड़ने पर रेफरल प्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2016-17 में शुरू किए गए पायलट प्रोजेक्ट के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे हजारों ग्रामीण मरीजों को लाभ मिला है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य संस्थानों पर भार कम करना और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति को मजबूत करना है। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि होम्योपैथी शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर समग्र स्वास्थ्य में सुधार करती है। कार्यक्रम में ऊषा संस्था के प्रयासों की सराहना की गई, जिसने प्रशासन के सहयोग से इस मॉडल को सफलतापूर्वक ग्रामीण स्तर तक पहुंचाया है।

भीषण गर्मी में जीव सेवा की मिसाल: राजकीय पशु चिकित्सालय वाहिदपूरा में पक्षियों के लिए लगाए गए परिंदे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती गांव वाहिदपूरा स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय में भीषण गर्मी के बीच बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए सराहनीय पहल की गई। यहां पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मिलकर परिंदे (पानी के बर्तन) लगाकर जीव सेवा का संदेश दिया। इस पुनीत कार्य में पर्यावरण प्रेमी एवं पक्षी मित्र संजय शर्मा, पशुधन निरीक्षक सुनील तिलोटिया, पशु परिचर कचिका कुमारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, दिलीप कुमार, पवन कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर न केवल परिंदे लगाए, बल्कि उनमें नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प भी लिया, ताकि गर्मी के इस कठिन दौर में पक्षियों को राहत मिल सके। इस अवसर पर संजय शर्मा ने कहा कि मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म सेवा है। 'नर सेवा ही नारायण सेवा है,' इस भावना के साथ हमें बेजुबान जीवों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास के स्थानों पर परिंदे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करें।

वहीं, पशुधन निरीक्षक सुनील तिलोटिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मई-जून की तपती गर्मी में पुण्य कार्यों का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि इस समय पक्षियों और पशुओं की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है, जिससे न केवल मानवता का परिचय मिलता है, बल्कि ईश्वर की कृपा भी प्राप्त होती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि वे इस अभियान को निरंतर जारी रखेंगे और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़कर जीव सेवा के इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

मंडावा में ब्लॉक स्तरीय निष्पादन समिति की बैठक सम्पन्न, शिक्षा व एचपीवी टीकाकरण पर रहा विशेष फोकस

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय निष्पादन समिति की बैठक का आयोजन महाजन धर्मशाला, मंडावा में किया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. संजीव कुल्हरि ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार सुरेंद्र भास्कर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन मंडावा के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) पवन कुमार के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से ब्लॉक की शैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए वर्तमान में संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इस दौरान नामांकन बढ़ाने, विद्यार्थियों को वर्दी वितरण, मिड-डे मील व्यवस्था तथा नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्य अतिथि तहसीलदार सुरेंद्र भास्कर ने अपने संबोधन में एचपीवी टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक इस अभियान को गंभीरता से लेते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। वहीं चिकित्सा विभाग से आए डॉ. संजीव कुल्हरि ने भी एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया।

सीबीईओ पवन कुमार ने निजी शिक्षण संस्थानों के संचालकों से अपील की कि वे एचपीवी टीकाकरण पर विशेष ध्यान दें और निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। बैठक में केआरपी लोकेश कुमार ने यू-डाइस प्लस से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की, जबकि आरपी उत्तम दाधीच ने विभिन्न शैक्षिक योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर जोर दिया। इसके अलावा ब्लॉक साक्षरता समन्वयक मूल सिंह शेखावत ने साक्षरता कार्यक्रमों की प्रगति और महत्व पर अपने विचार रखे। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों एवं उपस्थित जनों ने समन्वय के साथ कार्य करते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बिना दहेज की शादी कर समाज में की मिसाल पेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीमाधोपुर

सुमेर मीणा । राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ सीकर के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मीणा द्वारा दहेज रहित विवाह सम्पन्न कराने पर किशन दुलेत निवासी चकवाड़ा को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।गौरतलब है कि किशन दुलेत पुत्र हरि नारायण दुलेत, निवासी चकवाड़ा, तहसील फागी, जिला जयपुर ने अपने पुत्र आदित्य का विवाह एडवोकेट सुरेश मीणा निवासी निमेड़ा, तहसील श्रीमाधोपुर, जिला सीकर की पुत्री आंचल के साथ सादगीपूर्ण एवं दहेज रहित तरीके से सम्पन्न कराया। इस अवसर पर किशन दुलेत ने अपने संबंधी सुरेश मीणा, निमेड़ा से केवल रू101 एवं नारियल लेकर विवाह सम्पन्न कर समाज में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। समाज में इस विवाह की सर्वत्र सराहना हो रही है तथा किशन दुलेत के इस निर्णय की लोग प्रशंसा कर रहे हैं। समाज के लोगों का मानना है कि दहेज प्रथा जैसी कुरीति को समाप्त करने के लिए ऐसे प्रेरणादायक कदम अत्यंत आवश्यक हैं। सभी को इनसे प्रेरणा लेकर दहेज मुक्त विवाह को बढ़ावा देना चाहिए।

डीसी अनुपमा अंजली ने कानून-व्यवस्था और नशा मुक्ति को लेकर अधिकारियों के साथ की समन्वय बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त अनुपमा अंजली की अध्यक्षता में शुक्रवार को लघु सचिवालय की मीटिंग हॉल में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक, नारनौल एसडीएम अनिरुद्ध यादव, महेंद्रगढ़ एसडीएम योगेश सैनी, नांगल चौधरी एसडीएम उदय सिंह और नगराधीश डॉ. मंगल सेन मौजूद रहें। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिला में सार्वजनिक सुरक्षा और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की साप्ताहिक समन्वय बैठकें भविष्य में भी जारी रहेंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जमीनी स्तर पर जनता के साथ सकारात्मक जुड़ाव रखें। उन्होंने नशा खोरी के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने और युवाओं को इस सामाजिक बुराई से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया।

गुरु गोरखनाथ जयंती पर कलश यात्रा में उमड़ी श्रद्धा, विधायक ने दी विकास की सौगात

महवा में नाथ समाज के समागम में गूंजे गुरु के जयकारे, विधायक कोटे से श्मशान घाट व सर्किल हेतु 10 लाख की घोषणा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा के ग्रामीण अंचल में आस्था और श्रद्धा का अनुपम संगम उस समय देखने को मिला जब शुक्रवार को गोरखनाथ जयंती के पावन अवसर पर समूचा क्षेत्र भगवा रंग में रंगा नजर आया। गोरखनाथ सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह का आगाज प्रातः 8:00 बजे बड़ा महादेव मंदिर से मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा में सिर पर मंगल कलश धारण किए सैकड़ों महिलाओं के उत्साह और भक्ति ने महवा के मुख्य बाजारों को भक्तिमय कर दिया। कस्बे के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर और जलपान की व्यवस्था कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया, जिससे भाईचारे और सेवा की अनूठी मिसाल पेश हुई। शोभायात्रा के पुनः बड़ा महादेव मंदिर पहुंचने पर आयोजित धर्म सभा में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा का समाज के प्रबुद्धजनों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए विधायक मीणा ने कहा कि गुरु गोरखनाथ जी के आदर्श हमें सेवा, साधना और समर्पण का मार्ग दिखाते हैं और ऐसे संत-महात्माओं के सानिध्य से ही क्षेत्र में सुख-समृद्धि आती है। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए विधायक ने मौके पर ही गुरु गोरखनाथ सर्किल के सौंदर्यीकरण एवं श्मशान घाट की चारदीवारी निर्माण के लिए अपने विधायक कोष से 10 लाख रुपये देने की बड़ी घोषणा की, जिसका उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

आयोजन के दौरान नाथ समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया और समाज में व्याप्त कुरीतियों को जड़ से मिटाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। इस गौरवमयी पल के साक्षी लालचंद योगी, योगी राजेंद्र महाराज, कैलाश योगी, लोकेश योगी, रामेश्वर योगी सहित बहादुर, रिंकू, कल्ला, बबलू और पुरुषोत्तम योगी जैसे समाज के अनेक गणमान्य लोग बने।

सिंघानिया विश्वविद्यालय एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी करेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

विश्व पैरा थ्रोबॉल महासंघ (WPIF) ने घोषणा की है कि उसने आधिकारिक तौर पर पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (PTFI) को, सिंघानिया विश्वविद्यालय के सहयोग से, प्रतिष्ठित तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2027 के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी है। यह चैंपियनशिप राजस्थान स्थित सिंघानिया विश्ववि?द्यालय के परिसर में आयोजित की जाएगी। इस ऐतिहासिक साझेदारी को औपचारिक रूप देने के लिए 1 मई, 2026 को जयपुर में एक समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षर समारोह आयोजित किया गया। दस्तावेज पर दोनों संगठनों के प्रतिष्ठित नेतृत्वः निर्मला रावत, अध्यक्ष, विश्व पैरा थ्रोबॉल महासंघ, डॉ. वी. अल्बर्ट प्रेमकुमार, संस्थापक और महासचिव, WPTF; डॉ. मनोज कुमार (आईएएस, सेवानिवृत्त), अध्यक्ष और सुनील कुमार सोबती, प्रो-प्रेसिडेंट एवं सीएफओ, सिंघानिया विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षर किए गए। सिंघानिया विश्वविद्यालय इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में भरपूर अनुभव लेकर आया है। विश्वविद्यालय ने इससे पहले फरवरी 2026 में राष्ट्रीय पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप की सफल मेजबानी की थी। खेल बुनियादी ढांचे और आतिथ्य में उनका सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड उन्हें इस स्तर के आयोजन के लिए एक आदर्श भागीदार बनाता है। एथलीटों का अंतरराष्ट्रीय समागम 2027 की चैंपियनशिप एशिया में अनुकूली खेलों के लिए एक ऐतिहासिक समागम होने की उम्मीद है, जिसमें 21 से अधिक देशोंः भारत, कंबोडिया, मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, भूटान, यूएई, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, जापान और फिलीपर्पीस खेल जगत की हस्तियों के भाग लेने का अनुमान है। स्ह्व बैठक में पैरा-खेल समुदाय के प्रमुख व्यक्तित्व शामिल हुए, जिनमें भारतीय पैरा थ्रोबॉल कप्तान प्रशांत और मालती इनामती शामिल थे। उनके साथ कई अंतरराष्ट्रीय पैरा-पदक विजेता भी शामिल हुए, जो वैश्विक मंच पर पैरा थ्रोबॉल के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। WPTF और PTFI पैरा-एथलेटिक्स में समावेशिता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप पूरे महाद्वीप के एथलीटों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक महत्वपूर्ण मंच होगी।

मंदिर माफी जमीन पर कचरा डालने से रोका तो पुजारी पर किया हमला व मारपीट

हाईकोर्ट के आदेशों को दिखाया ठेंगा, पूर्व चैयरमैन के ससुर व देवर सहित एक दर्जन लोगो के खिलाफ मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । थाना क्षेत्र में पुश्तैनी मंदिर माफी की भूमि पर कब्जा करने की नीयत से कुछ लोगो द्वारा कचरा डालने और विरोध करने पर पुजारी पर हमला व मारपीट करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने ग्रामीण अंचल में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित पुजारी ताराचंद शर्मा ने रिपोर्ट देते हुये बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे पूर्व पालिका चैयरमैन का ससुर मक्खन मीणा पुत्र कल्याण मीणा ट्रैक्टर-ट्रॉली में कचरा व मिट्टी भरकर उसके खेत में डालने पहुंचा और खुलेआम कब्जा करने की मंशा जताते हुए भैंसें बांधने तक की बात कह डाली। जब पीड़ित पुजारी ने इसका विरोध किया तो चैयरमैन के ससुर ने पुजारी को अश्लील गालियां देते हुए ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया, जिससे वह किसी तरह जान बचाकर भागा लेकिन इस दौरान पूर्व पालिका चैयरमैन के देवर अशोक नारेडा सहित हरिराम, खुशीराम, रिंकेश, नानू, बलराम, रामशंर, पवन, दिलराम, जल्लो, बेला और छोटी हथियारों से लैस होकर मौके पर पहुंचे और सामूहिक रूप से हमला कर दिया, जिसमें हरिराम ने कुल्हाड़ी के उल्टे हिस्से से सिर पर वार कर पुजारी को गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे उसकी आंख के ऊपर गहरा घाव हो गया और खून बहने लगा, जबकि अन्य आरोपियों ने डंडों व धारदार हथियारों से बेरहमी से मारकर उसे लहूलुहान कर दिया। इस दौरान जब पीड़ित पुजारी ने पुलिस को सूचना देने के लिए अपनी जेब से मोबाइल निकाला तो आरोपियों ने उसके हाथों पर डंडे बरसाकर मोबाइल छीन लिया और जेब में रखे 15 हजार रुपए भी लूट लिए, जिसमें जल्लो और बेला द्वारा नकदी निकालने तथा हरिराम द्वारा मोबाइल लेकर फरार होने का आरोप है। घटना के अंत में आरोपी खेत के गेट को भी ट्रॉली में भरकर ले गए और वही पूर्व में दर्ज प्रकरण संख्या 379/2020 में पुजारी को राजीनामा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घायल हालत में पीड़ित पुजारी ने राहगीर के फोन से अपने बेटे को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित पुजारी को थाने लाकर सीएचसी मंडावर में मेडिकल करवाया गया। पीड़ित पुजारी ने रिपोर्ट में यह भी बताया कि एस.बी. क्रिमिनल मिसलेनियस पिटिशन संख्या 97/2021 में माननीय उच्च न्यायालय जयपुर द्वारा पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि भविष्य में पीडीत पर किसी भी प्रकार की धमकी या घटना होने पर संबंधित पुलिस अधिकारी त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे, लेकिन इसके बावजूद आरोपी लगातार साजिश रचकर जमीन पर कब्जे का प्रयास कर रहे हैं और न्यायालय के आदेशों की भी अवहेलना कर रहे हैं। पीड़ित ने मंडावर थाना पुलिस को रिपोर्ट देकर लूटे गए मोबाइल और नकदी की बरामदगी के साथ सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

झुंझुनूं जिले में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के बीच उदयपुरवाटी में अभियान तेज, 100 से अधिक कुत्तों का टीकाकरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

झुंझुनू जिले के उदयपुरवाटी क्षेत्र में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक को देखते हुए नगर पालिका ने बड़ा अभियान शुरू किया है। आए दिन कुत्तों के काटने की घटनाओं के बाद प्रशासन अब सख्त कदम उठा रहा है।उदयपुरवाटी नगर पालिका द्वारा पिछले 7 दिनों से विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जा रहा है। नगर पालिका के ईओ तौफीक अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और उच्च अधिकारियों के आदेश पर यह अभियान शुरू किया गया है।अब तक इस अभियान के तहत 100 से अधिक कुत्तों को टीके लगाए जा चुके हैं। क्षेत्र में लगातार मिल रही कुत्तों के काटने की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।नगर पालिका का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कुत्तों की बढ़ती आबादी पर नियंत्रण करना और रेबीज के खतरे को कम करना है। साथ ही, यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक क्षेत्र के सभी आवारा कुत्तों का टीकाकरण नहीं हो जाता।

विश्व श्रमिक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी के मार्गदर्शन में आज विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन के नजदीक श्रमिक कॉलोनी में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कानूनी सहायता सलाहकार टेकचंद यादव ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से गरीब, महिलाओं, बच्चों और अनुसूचित जाति/जनजाति के पात्र व्यक्तियों को निशुल्क अधिवक्ता और कानूनी परामर्श प्रदान किया जाता है। इस मौके पर अधिवक्ता रमेश कुमार ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 39 ए के तहत समाज के कमजोर वर्गों को समान न्याय सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता का प्रावधान है। जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से मनोज कुमार ने श्रमिकों को बुढ़ापा, विधवा और दिव्यांग पेंशन योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। रेड क्रॉस से प्राथमिक सहायता प्रवक्ता पवित्रा यादव ने बताया कि आगामी 8 मई को 'विश्व रेड क्रॉस दिवस' के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में समाजसेवी रमेश गुप्ता, डॉ. शिव मित्तल, सेंटर कमांडर जितेंद्र कुमार, सत्यवीर सिंह पीएलवी, सीमा गुप्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सूरजगढ़ में 'स्वजनगणना दिवस' मनाया, पूर्व सांसद से करवाई स्व-जनगणना

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

नगर पालिका सूरजगढ़ द्वारा जनगणना 2027 के तहत 'स्वजनगणना दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आमजन को स्वगणना के प्रति जागरूक करने और प्रेरित करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। नगर पालिका की जनगणना सेल टीम ने चार्ज अधिकारी श्रीमती सरिता यादव के नेतृत्व में पूर्व सांसद संतोष अहलावत के निवास पर पहुंचकर उनसे स्वयं की स्व-जनगणना करवाई। इस दौरान टीम ने उन्हें स्वगणना की प्रक्रिया की जानकारी दी और भविष्य में उपयोग के लिए अपनी एसई आईडी सुरक्षित रखने का आग्रह किया।अधिकारियों ने बताया कि स्व-जनगणना से नागरिक स्वयं अपने परिवार की जानकारी डिजिटल माध्यम से दर्ज कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और सटीक बनती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस पहल को प्रेरणा के रूप में लें और अधिक से अधिक संख्या में स्वगणना कर राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाएं। इस अभियान में सहायक चार्ज अधिकारी वेद प्रकाश, जनगणना लिपिक सुबेसिंह सिरोवा सहित अन्य टीम सदस्य भी उपस्थित रहे। सभी ने घर-घर जाकर लोगों को स्वगणना के महत्व के बारे में जागरूक करने का संकल्प लिया। 'स्वजनगणना दिवस' के आयोजन से क्षेत्र में जनगणना को लेकर जागरूकता बढ़ी है और लोगों में इस अभियान के प्रति सकारात्मक रुझान देखने को मिल रहा है।

थाना शहर टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अफीम तस्करी के मामले में आरोपी काबू

28.10 ग्राम अफीम बरामद, आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए अफीम सहित एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसके तहत आरोपी को काबू कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि एसआई रामकिशन के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त एवं अपराध जांच के दौरान भुना बाईपास क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति टोहाना-रतिया रोड स्थित नए बाईपास टी-प्वाइंट पर अफीम की सप्लाई के लिए खड़ा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति को काबू किया। आरोपी की पहचान सुरेन्द्र कुमार पुत्र रामरख निवासी गांव ठरवा, तहसील टोहाना, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई।नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 28.10 ग्राम अफीम बरामद हुई। बरामद अफीम को विधि अनुसार सील कर कब्जा पुलिस में लिया गया। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 121 दिनांक 30.04.2026, धारा 18C/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगामी जांच जारी है तथा नशा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी गंभीरता से जांच की जा रही है।

डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने किया इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब का दौरा

रेल संपर्क का कार्य अंतिम चरणों में

क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगा मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने एनआईसीडीसी (राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम) के प्रबंध निदेशक रजत कुमार सैनी के साथ आज जिला महेंद्रगढ़ के नांगल चौधरी क्षेत्र में विकसित किया जा रहा 'इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब' का निरीक्षण किया। इस मौके पर एचएसआईआईडीसी के एमडी सुशील सारवान, उपायुक्त अनुपमा अंजली, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव भी मौजूद थे। हरियाणा सरकार के सहयोग से बन रहा यह हब न केवल राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार का केंद्र बनकर उभरेगा।

इस मौके पर समीक्षा बैठक में डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को गति देकर स्थानीय कौशल को काम देना है। बैठक के बाद पूरे क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और गति का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बताया कि लगभग 886.78 एकड़ क्षेत्र में फैला यह केंद्र वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारा) के किनारे स्थित होने के कारण व्यापारिक दृष्टि से पूरे देश के लिए रीढ़ की हड्डी साबित होगा। उन्होंने बताया कि यह विकास का एक ऐसा 'ईको-सिस्टम' है जो आने वाले समय में हजारों अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करेगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री की सक्रियता के चलते इस परियोजना के लिए भूमि हस्तांतरण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वर्तमान में न्यू डाबला रेलवे स्टेशन से परियोजना स्थल तक रेल संपर्क का कार्य अंतिम चरणों में है, जिसके मई 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा आंतरिक रेल यार्ड और प्लेटफार्म बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के पूर्ण होने पर यहा कंटेनर फ्रेट स्टेशन, ऑटो जोन (वाहन क्षेत्र) और आधुनिक भंडारण की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अधिकारियों ने इस दौरे के माध्यम से आश्वस्त किया कि यह रसद केंद्र भारतीय व्यापार जगत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होगा। इस अवसर पर एचएसआईआईडीसी के एजीएम रघुवीर सिंह, मैनेजर ज्ञानवीर पूनिया, एसपीवी के सीओओ संजीत सिंह तथा सीनियर मैनेजर रवि सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने किया ईवीएम वेयरहाउस का औचक निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने आज स्थानीय ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंधों और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस परिसर में बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिसर में किसी भी प्रकार की तकनीकी या भौतिक खामी नहीं रहनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सुरक्षा के लिहाज से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली को बारीकी से जांचा और कंट्रोल रूम का अवलोकन किया। उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल और अन्य सुरक्षा कर्मियों को हमेशा सतर्क रहने तथा परिसर में आवाजाही के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण के अवसर पर मुख्यालय से ज्वाइंट सीईओ राजकुमार लोहान, तहसीलदार (चुनाव) सुरेंद्र सिंह और कानूनगो राजपाल तथा विभिन्न पार्टियों के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पंचायत उप-चुनाव 10 मई को शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु प्रशासन की व्यापक तैयारियां

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला प्रशासन द्वारा पंचायत उप-चुनाव 10 मई को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में चुनाव प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी के लिए संबंधित खंडों में अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, ताकि प्रत्येक स्तर पर सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित हो सके। निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत नागपुर एवं टोहाना खंडों में उप-मंडल अधिकारियों को ओवरऑल इंचार्ज तथा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को सहायक अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त संबंधित ग्राम पंचायतों में मतदान केंद्रों एवं बूथों की स्पष्ट व्यवस्था की गई है, जिससे मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सहजता से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग दें तथा मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक सुविधाएं एवं सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, जिससे चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

टोहाना में बच्चों ने ली पक्षियों के संरक्षण की जिम्मेदारी, बजरंग मॉडल स्कूल में 'पक्षी मित्र ग्रुप' का गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । शहर के आजाद नगर स्थित बजरंग मॉडल स्कूल में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल की गई है। स्कूल संचालक विनय वर्मा व प्रिंसिपल के नेतृत्व में 'पक्षी मित्र ग्रुप' की शुरुआत की गई। इस ग्रुप का मुख्य उद्देश्य गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों को दाना-पानी उपलब्ध कराना है। ग्रुप में स्कूल के छात्र मयंक, देव, ध्रुव व सौरभ को पक्षियों की देखभाल के लिए मनोनीत किया गया। ये बच्चे रोजाना स्कूल परिसर में मिट्टी के बर्तनों में दाना और पानी भरकर पेड़ों पर टांगेंगे। स्कूल संचालक विनय वर्मा ने बताया कि बढ़ती गर्मी में पक्षियों को पानी न मिलने से उनकी मौत हो जाती है। बच्चों में दया भाव और प्रकृति से जुड़ाव पैदा करने के लिए यह ग्रुप बनाया गया है। ग्रुप की पूरी देखरेख स्कूल अध्यापक चिराग मित्तल करेंगे।

प्रिंसिपल ने कहा कि यह गतिविधि बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी सिखाएगी। स्कूल प्रबंधन ने अन्य स्कूलों और आमजन से भी अपने घरों की छतों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने की अपील की। कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्य व छात्र मौजूद रहे।

एडीसी ने समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा

लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाएं : एडीसी तरुण पावरिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए सरकार के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में आज स्थानीय लघु सचिवालय में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण पावरिया ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अतिरिक्त उपायुक्त तरुण पावरिया ने बैठक के दौरान लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जिन भी विभागों की शिकायतें लंबित हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर तुरंत निपटान करें।शिकायतों के समाधान के बाद संबंधित नागरिक को सूचित भी किया जाए। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर कोई भी मामला बिना वजह पेंडिंग न रहे। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से काम करने से न केवल जनता का विश्वास प्रशासन में बढ़ता है, बल्कि विकास कार्यों में भी तेजी आती है। इस बैठक में नगराधीश डॉ. मंगलसेन, डीएसपी भारत भूषण, सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सूरजगढ़ में जनगणना 2027 प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, अधिकारियों ने दिए अहम निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

नगर पालिका सूरजगढ़ के तत्वावधान में पंचायत समिति सभागार में जनगणना 2027 के तहत प्रगणक एवं सुपरवाइजरों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन तहसीलदार जय सिंह मीणा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए तहसीलदार जय सिंह मीणा ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसमें सटीक आंकड़ों का विशेष महत्व होता है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रगणकों और सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि वे शिविर के दौरान मास्टर्स ट्रेनर द्वारा दी जाने वाली प्रत्येक जानकारी को गंभीरता से लें और उसे फील्ड में पूरी जिम्मेदारी के साथ लागू करें। चार्ज अधिकारी सरिता यादव ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों से इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय रुचि लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में आने वाली संभावित समस्याओं को समझना जरूरी है, ताकि कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न हो। साथ ही उन्होंने 'स्वगणना दिवस' के अवसर पर सभी प्रतिभागियों से अपने घर की स्व-जनगणना करने का भी आग्रह किया। प्रशिक्षण शिविर में फील्ड ट्रेनर के रूप में रमाकांत मिश्रा और नरेश कुमार भाड़िया प्रतिभागियों को जनगणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी देंगे। तीन दिनों तक चलने वाले इस शिविर में प्रगणकों और सुपरवाइजरों को जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संग्रहण, डिजिटल उपकरणों के उपयोग और फील्ड कार्य से जुड़ी बारीकियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने का संकल्प लिया। शिविर के आयोजन से जनगणना 2027 को सफल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सकारात्मक और जिम्मेदार मीडिया ही वैश्विक शांति की आधारशिला: सुभाष बराला

वैश्विक शांति की आवश्यकता एवं मीडिया की भूमिका पर राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन एवं रिट्रीट का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । माउंट आबू स्थित ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय ज्ञान सरोवर में 'वैश्विक शांति की आवश्यकता मीडिया की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन एवं रिट्रीट का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में देशभर से आए प्रबुद्धजन, वरिष्ठ पत्रकार, मीडिया प्रतिनिधि एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने का कार्य करते हैं, इसलिए उनका दृष्टिकोण और व्यवहार सकारात्मक, संतुलित एवं जिम्मेदार होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में शांति की स्थापना के लिए मीडिया की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। यदि मीडिया सत्य, संवेदनशीलता और सकारात्मकता के साथ कार्य करे, तो वह समाज में सौहार्द, जागरूकता और स्थायित्व को सुदृढ़ कर सकता है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अतिरिक्त प्रशासनिक प्रमुख राजयोगिनी बी.के. सुदेश ने अपने आशीर्वचनों में आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। वहीं मीडिया विंग की चेयरपर्सन राजयोगिनी बी.के. करूणा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मीडिया की प्रभावशीलता एवं उसकी नैतिक जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. (डॉ.) मनसिंह परमार, पूर्व कुलपति, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रायपुर, ने मीडिया की बदलती भूमिका, उसकी चुनौतियों एवं नैतिक दायित्वों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।विशिष्ट अतिथियों में द संबाद एवं कनक टीवी भुवनेश्वर संपादक सिस्टर तनया पटनायक तथा दैनिक ट्रिब्यून चंडीगढ़ संपादक नरेश कौशल ने भी मीडिया के समकालीन परिदृश्य और उसकी जिम्मेदारियों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान राजयोगिनी बी.के. शीलू ने मेडिटेशन के माध्यम से उपस्थित जनों को आध्यात्मिक अनुभूति कराई, वहीं सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश सिस्टर बी.के. सरला (वाइस चेयरपर्सन, मीडिया विंग, हैदराबाद) ने डाला।इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की दीदियों द्वारा प्रदान किए गए आध्यात्मिक मार्गदर्शन, उनकी सादगी, सेवा भावना और सकारात्मक दृष्टिकोण ने सभी प्रतिभागियों को गहराई से प्रेरित किया। उनके संदेशों में निहित शांति, प्रेम और मानवीय मूल्यों ने वैश्विक कल्याण की दिशा में एक सशक्त आधार प्रस्तुत किया।संगोष्ठी के दौरान मीडिया की जिम्मेदारी, उसकी प्रभावशीलता और समाज पर उसके व्यापक प्रभाव को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने इस पहल को समयानुकूल एवं अत्यंत सार्थक बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ जनमानस में नई ऊर्जा और आशा का संचार करेंगे।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनों ही टीमों को पता है कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उन्हें ये मैच जीतना जरूरी है। ये दोनो ही पांच-पांच बार की खिताब विजेता रही हैं पर इस बार दोनो को ही बेहद खराब हालातों का सामना करना पड़ा है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके इस बार बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही लय में नहीं है जो उसकी हार का कारण रहा है। वहीं मुम्बई इंडियंस की कहानी भी ऐसी ही है वह अपने स्टार खिलाड़ियों की विफलता से जूझ रही है। मुम्बई के पास सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हैं पर दोनो ही इस सत्र में विफल रहे हैं।

उसका मध्य क्रम कमजोर है। उसके गेंदबाज भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे। सीएसके को उम्मीद है कि घरेलू मैदान पर उससे स्पिनर सफल रहेंगे। दूसरी ओर मुम्बई इनके खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहेगी।

दोनों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कोई भी टीम इस बार पसंदीदा नजर नहीं आती है। यह मुकाबले में हारने वाली टीम का प्लेऑफ का सफर समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनो ही ये मैच जीतने उमरेंगी। सीएसके अंक तालिका में छठे स्थान पर है। उसे आठ मैचों में केवल तीन जीत मिली है। उसकी ओर से अब तक केवल संजू सैमसन ही रन बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में अंशुल कम्बोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर मुम्बई के भी हाल खरा हैं और वह अंक तालिका में नौवें नंबर पर है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे क्योंकि एक हार से वह प्लेऑफ से बाहर होगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 40 मुकाबले हुए हैं जिसमें मुम्बई ने 21 जबकि सीएसके ने 19 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फौल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कम्बोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद.

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिन्ज (विकेटकीपर), डेनिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्वनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष्ण भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

लक्ष्य सेन ने मैच प्वाइंट बचाया, भारत को चीनी ताइपे पर दिलाई बढ़त

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच आपस में रिकॉर्ड 4-4 से बराबर पर था। इस मुकाबले में लंबी रैलियां, सटीक स्ट्रोकप्ले और उतार-चढ़ाव से भरपूर रोमांचक द्वंद्व देखने को मिला। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की।

भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। भारत अपनी बढ़त को और मजबूत करने की कोशिश करेगा जब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का सामना चियू शियांग चिएह और यांग ची-लिन से होगा। अन्य मैचों में आयुष शेट्टी का मुकाबला लिन चुन-यी से होगा। हरिहरन आमसकरुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी का सामना लियू कुआंग हेंग और यांग पो-ह्सुआन से जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सामना ची यू जेन से होगा।

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहेंगी चानू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कंधे की चोट के चलते उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। चानू का मुख्य लक्ष्य इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। उनका यह रणनीतिक निर्णय सुनिश्चित करेगा कि वह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से फिट और तैयार रहें। भारोत्तोलन एक ऐसा खेल है जिसमें शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, और चानू जैसी शीर्ष स्तर की एथलीट के लिए चोट से बचाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई का मानना है कि उनकी शारीरिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता है। एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहकर, उन्हें अपनी चोट से पूरी तरह उबरने और आगामी मेगा-इवेंट्स के लिए अपनी शक्ति और तकनीक को निखारने का पर्याप्त समय मिलेगा। यह कदम उनके दीर्घकालिक करियर के लिए भी बुद्धिमानी भरा है, ताकि वह भविष्य में भी भारत के लिए पदक जीतती रहें। मीराबाई चानू का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल होंगे। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।

आईपीएल में इस बार डिकॉक सहित पांच बल्लेबाजों के शतक के बाद भी हारी टीम

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ये सत्र कई मायनों में पिछले सत्रों से अलग नजर आ रह है। इस बार किसी बल्लेबाज का शतक भी जीत की गारंटी नहीं माना जा रहा है क्योंकि पांच बार ऐसा हो गया है जब बल्लेबाज के शतक लगाने के बाद भी उसकी टीम हारी है। इस सत्र में अब तक 41 मैचों में 9 शतक लगे हैं। इसमें हैरान करने वाली बात ये रही है 5 बार ऐसा हुआ जब बल्लेबाज ने शतक लगाया पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस के दो सलामी बल्लेबाजों, क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन, ने पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाए पर दोनो बार ही टीम को हार मिली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 152 रन बनाए पर इसके बाद भी पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम को हार मिली। गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ,वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी।

दूसरी ओर चार बल्लेबाजों के शतकों से उनकी टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने इस सीजन में दो शतक दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगाये और दोनों ही अवसरों पर सीएसके जीती है। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस प्रकार कुल 9 शतकों में से केवल 4 शतक ही टीम को जीत दिला पाये। इसस साफ है कि आईपीएल में केवल एक बल्लेबाज का शतक ही जीत के लिए पर्याप्त नहीं है। जीत के लिए सभी को बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत है। जीत के लिए पूरी टीम को एक ईकाई की तरह खेलते हुए हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल प्लेयर इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के लिए वैभव सहित 25 खिलाड़ियों का नामांकन किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के नामांकन की सूची जारी की है। बोर्ड ने सभी 10 टीमों में से ऐसे 25 खिलाड़ियों का चयन किया है, जो इस अवॉर्ड के दावेदार हैं। इसके लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, समीर रिजवी, मुकुल चौधरी और प्रियांश आर्या से लेकर सलिल अरोड़ा जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ये अवॉर्ड उस खिलाड़ी को मिलेगा जिसने सत्र में सबसे अधिक बेहतर प्रदर्शन किया हो। इसके साथ ही उसमें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने की संभावना हो। ये अवॉर्ड केवल अनकैप्ड खिलाड़ी को ही दिया जाएगा। वहीं उस खिलाड़ी का जन्म भी एक अप्रैल 2000 के बाद हुआ होना चाहिये। पहले किसी सत्र में इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड नहीं जीता हो। इसमें पब्लिक वोट के अलावा टीवी कमेंटेटर्स की पसंद भी चयन के लिए पूछी जाती है।

शुभमन ने दिया विराट के आक्रामक जश्न का जवाब

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली जब मैदान पर उतरते हैं और अपने जोश और जुनून के साथ ही विरोधी टीम पर दबाव बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में भी विराट ने ऐसा ही किया। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल का कैच लेने के बाद कोहली ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। शुभमन भी कहां पीछे रहने वाले थे। मैच जीतने के बाद उन्होंने भी इसका करारा जवाब दिया। जब विराट ने कैच पकड़ा तो उस समय शुभमन 18 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाकर खेल रहे थे। उनकी इस पारी से गुजरात की टीम जीत के लिए मिले लक्ष्य को हसिल करने में सफल रही। इसी कारण उसने आरसीबी को मैच में 4 विकेट से हरा दिया। मैच में आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद शुभमन ने एक ऐसी पोस्ट साझा की जो देखते ही देखते वायरल हो गई। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में शुभमन ने मैच की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से एक में कोहली भी नजर आ रहे थे। इसमें जो शब्द प्ले बोल्ड है वो विराट के जश्न का जवाब माने गए, क्योंकि प्ले बोल्ड आरसीबी का ही नारा है और गिल ने इसे इस्तेमाल कर अपने जवाब को और तीखा बना दिया।

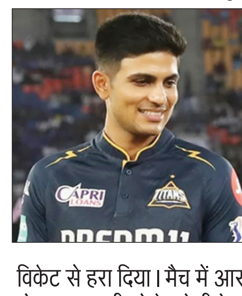

क्लासेन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करे दक्षिण अफ्रीका : पीटरसन

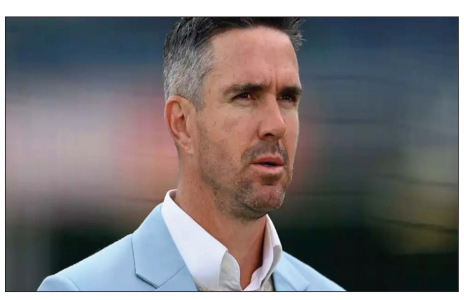

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन ने कहा है कि जिस प्रकार से क्लासेन खेल रहे हैं। उसको देखते हुए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को उन्हें संन्यास से वापसी करने को कहना चाहिये। इसके साथ ही साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल करना चाहिये। पीटरसन इंग्लैंड टीम में शामिल होने से पहले दक्षिणा अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर रहे हैं। उनका मानना है जिस प्रकार की आक्रामक बल्लेबाजी क्लासेन करते हैं। उससे वह दक्षिण अफ्रीकी टीम को एकदिवसीय खिताब जिताने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। क्लासने ने जिस प्रकार से मुबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में केवल 30 गेंदों में नाबाद 65 रनों की आक्रामक पारी खेली उससे भी पीटरसन बेहद प्रभावित हैं। उनकी इस पारी में 7 शानदार चौके और 4 छक्के लगाये थे। क्लासेन इस सत्र में मध्यक्रम में सबसे आक्रामक बल्लेबाज बनकर सामने आये हैं। उन्होंने अब तक 9 पारियों में कुल 414 रन बनाए हैं, उनका औसत 59.14 जबकि स्ट्राइक रेट 157.41 का रहा है। पीटरसन ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने भी क्लासेन के प्रदर्शन की सराहतना की है। उन्होंने कहा कि मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए भी क्लासेन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के साथ रन और स्ट्राइक रेट में मुकाबला किया है। जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है।

व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम के लक्ष्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता हूं: भुवनेश्वर

अहमदाबाद(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उनके लिए टीम की सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है। यह 36 वर्षीय तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस कारण उनके पास पर्पल कैप है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

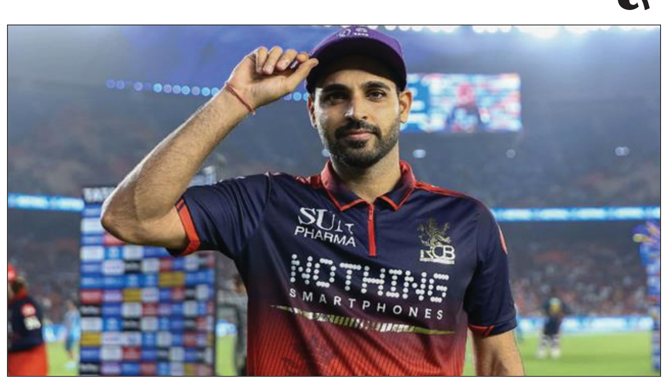

भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं।'

भुवनेश्वर ने कहा, 'लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। टीम प्रबंधन ने मेरा हौसला बढ़ाया है।'

RCB की टीम का लक्ष्य का पीछा करने में अच्छा रिकॉर्ड रहा है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई। भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर आप इस बार IPL को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है। हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए।'

भुवनेश्वर ने आगे कहा, 'हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी।'

गुजरात टाइटंस की तरफ से वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने 29 रन देकर दो विकेट लेने के अलावा तीन कैच भी लिए। उन्होंने 12 रन भी बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, 'जब हम नीलामी में जेसन को अपनी टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे तो हमारा मकसद यही था कि वह बल्ले और गेंद दोनों की भूमिका निभा सके। उन्होंने पिछले कुछ समय में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है।'

आरसीबी पर जीत से गुजरात को दो अंकों का लाभ, तालिका में पांचवें स्थान पर बरकरार

मुम्बई। गुजरात टाइटंस टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले के बाद अंक तालिका में कोई बदलाव नहीं आया है और सभी टीमें अपने ही स्थानों पर हैं। केवल गुजरात को 2 अंक का लाभ हुआ है। वहीं आरसीबी के हाथ से हार के कारण अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंचने का अवसर निकल गया। इस मैच के परिणाम के बाद भी अंकतालिका में सभी टीमें अपनी-अपनी जगह पर बनी हुई हैं। अभी अंक तालिका में पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। पंजाब ने 8 मैचों में 6 जीत और 1 मैच बारिश के कारण बाधित होने के कारण नहीं हो पाने के बाद भी 13 अंक लेकर नंबर एक पर ही है। वहीं आरसीबी 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंकों पर दूसरे स्थान पर है। वहीं तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है, जिसके 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हैं। वहीं, चौथे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स है, जिसने 9 में से 6 मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए हैं। पर उनका 0.617 का नेट रन रेट अन्य टीम से कम है। वहीं गुजरात टाइटन्स ने बेंगलुरु के खिलाफ अपनी जीत के साथ 9 मैचों में 5 जीत और 4 हार के साथ 10 अंक हासिल कर लिए हैं और वह शीर्ष 5 में अपनी जगह बनाए रखने वाली पांचवीं टीम बन गई है। इस जीत से उसका रन रेट भी बेहतर हुआ है। छठे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स है, उसने 8 मैचों में 3 जीत और 5 हार के साथ 6 अंक हासिल कर पाई है।

कमेंट्री बॉक्स में महिला कमेंटेटर को चूमने के कारण विवादों में आये रमीज राजा

लाहौर। पाकिस्तान में जारी सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में कमेंट्री कर रहे पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा विवादों में आ गये हैं। रमीज लीग में कमेंट्री के लिए आई ऑस्ट्रेलिया की पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्टालेकर को गले लगाते और किस करते हुए दिखे। उनका एक वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस घटना के बाद से ही क्रिकेट प्रशंसकों ने रमीज पर हमला बोला है। वीडियो में इस घटना के पीछे का पूरा कारण या बातचीत स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है। जिससे ये अंदाज नहीं हुआ है कि रमीज ने ऐसा क्यों किया हालांकि वायरल क्लिप में रमीज लिसा को गले लगाते और फिर उनके गाल पर किस करते हुए नजर आये। इस क्लिप के सामने आते ही उनपर हमला शुरु हो गया। कुछ लोगों द्वारा उनके आचरण पर उठाये गये। वहीं कई ने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार उन्हें नहीं करना चाहिये था। कई यूजर्स ने इसे अनावश्यक करार दिया, जबकि कुछ ने इसे सिर्फ एक दोस्ताना भाव बताया। 46 वर्षीय लिसा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर रही हैं। पूरे टूर्नामेंट के दौरान पहले भी रमीज विवादों में रहे हैं। एक बार कमेंट्री के दौरान उन्होंने गलती से कैच ऑफ द आईपीएल कह दिया था, हालांकि उन्होंने तुरंत अपनी गलती सुधारी और कमेंट्री को जारी रखा। इसके अलावा, एक मैच में टॉस से ठीक पहले दो मस्कट्स की आपस में लड़ाई का एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था।

दो श्रीलंकाई अंडर-19 क्रिकेटर महिलाओं का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंकाई अंडर-19 क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों को कोलंबो के एक होटल में महिलाओं के निजी पलों का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस शर्मनाक मामले के सामने आने के बाद से श्रीलंकाई बोर्ड भी सकते में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला नराहेंपिटा स्थित एक होटल का है जहाँ ये खिलाड़ी ठहरे हुए थे। इसी होटल में रुकी कुछ महिलाओं ने शिकायत की कि जब वे अपने बाथरूम में थीं, तब मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर उनका वीडियो बनाया जा रहा था। इस शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपी खिलाड़ियों को हिरासत में ले लिया गया हालांकि बाद में, दोनों खिलाड़ियों को 500,000 श्रीलंकाई रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई। नराहेंपिटा पुलिस जांच कर रही है कि क्या इन वीडियो को ऑनलाइन साझा किया गया था। अगर ऐसा हुआ तो ये मालमा और भी बढ़ा हो जाएगा। खिलाड़ियों को पहली सुनवाई के लिए अलुथकाडे मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था और उन्हें 25 मई को दोबारा अदालत में हाजिर होना है।

वहीं इस मामले में अभी तक श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बोर्ड की तरफ से इन दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ अभी तक किसी तरह की कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई भी नहीं की गई है। इसका कारण ये कहा गया है कि बोर्ड में भी बदलाव हो रहे हैं और इसमें पिछले अधिकारियों को हटाकर एक नई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी बनायी गयी है। वही अब इस मामले को देखेगी पर माना जा सकता है इस पूरे मामले पर बोर्ड बेहद कड़ी सजा सुनाएगाहै। अभी खिलाड़ियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं पर इससे क्रिकेट जगत शर्मिंदा महसूस कर रहा है। ऐसे में, अब देखना है कि श्रीलंकाई बोर्ड इन क्रिकेटरों पर क्या कर्रवाई करता है।

इस सीजन के आखिर में टेनिस खिलाड़ी निशिकोरी केई लेंगे संन्यास

टोक्यो (एजेंसी)। ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष और रियो ओलंपिक 2016 के कांस्य पदक विजेता जापान के निशिकोरी केई ने इस सीजन के आखिर में टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की है। 36 साल के निशिकोरी केई ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम और एक्स पर जापानी और इंग्लिश में लिखा, 'आज, मैं एक घोषणा कर रहा हूं। मैंने इस सीजन के आखिर में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने का फैसला किया है।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं बच्चा था, तब से मुझे टेनिस का जुनून रहा है और मैंने अपने दिल में सिर्फ़ एक सपना लेकर इसे जारी रखा है'मैं वर्ल्ड 'स्टेज पर मुकाबला करना चाहता हूं। एटीपी टूर तक पहुंचना, सबसे ऊंचे स्तर के मुकाबले में खेलना और टॉप 10 में अपनी मौजूदगी बनाए रखना, ऐसी चीज है जिस पर मुझे बहुत गर्व है। चाहे जीत हो या हार, खचाखच भरे एरीना में मुझे जो खास माहौल महसूस हुआ, उसकी जगह कोई नहीं ले सकता।'

निशिकोरी ने पहली बार पांच साल की उम्र में रैकेट उठाया था, और 13 साल की उम्र में .स. चले गए। उन्होंने फरवरी 2008 में डेलरे बीच ओपन में टूर पर अपना पहला खिताब जीता। जापान के पहले पुरुष खिलाड़ी जो कभी टॉप 10 में पहुंचे, निशिकोरी ने 2014 में यूएस ओपन सेमीफाइनल में उस समय के टॉप रैंक वाले नोवाक जोकोविच को हराया (वह चैंपियनशिप मैच में मारिन सिलिक से हार गए)। रियो में अपने दूसरे ओलंपिक में, निशिकोरी ने कांस्य पदक मुकाबले राफेल नडाल को हराया। हालांकि, निशिकोरी अपने पीक सालों में कई चोटों के कारण एक मुश्किल ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने का मौका चूक गए। अभी उनके करियर में 451 जीत और 12 खिताब हैं।

निशिकोरी ने कहा, 'ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से मैं फ्रस्ट्रेशन और एंग्जायटी से बहुत ज्यादा परेशान हो जाता था, जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था। फिर भी, टेनिस के लिए मेरा प्यार और मेरा यह विश्वास कि मैं एक मज़बूत खिलाड़ी बन सकता हूं, मुझे हमेशा कोर्ट पर वापस लाता था। मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी ज़िंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। सच कहूं तो, मैं अब भी चाहता हूं कि मैं अपना खेल करियर जारी रख सकूं। फिर भी, अब तक की हर बात को पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैंने अपना सब कुछ दिया। मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे प्रियदर्शन

फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जिन्होंने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' दी है। इस फिल्म के साथ उनकी और अक्षय कुमार की जोड़ी करीब 16 साल बाद साथ लौटी है। इसके बाद डायरेक्टर अब एक नई कॉमेडी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। प्रियदर्शन अब एक नई कॉमेडी फिल्म डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म का अंदाज उनकी पुरानी फिल्मों 'हंगामा' और 'द शौकीन्स' जैसा होगा। खबरों के अनुसार, कहानी 3 बुजुर्ग आदमियों के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो अजीब और मुश्किल हालातों का सामना करते हैं। इसमें प्रियदर्शन का वही खास सिचुएशनल ह्यूमर देखने को मिलेगा, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। यह प्रोजेक्ट डायरेक्टर के लिए कई पुराने साथियों के साथ फिर से काम करने का मौका भी है।

इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अन्नू कपूर और शुक्ला लीड रोल में नजर आएंगे। प्रियदर्शन करीब 16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे, जिन्होंने पहले 'आक्रोश' में साथ काम किया था। वहीं, सौरभ शुक्ला ने उनके साथ आखिरी बार 'ये तेरा घर ये मेरा घर' (2001) में काम किया था। अन्नू कपूर भी तीन दशक बाद उनके साथ जुड़ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'मुस्कुराहट' (1992) और 'गर्दिश' (1993) में साथ काम किया था। इसके अलावा, राजपाल यादव भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, फिल्म की फीमेल लीड की कास्टिंग अभी चल रही है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म से पहले बनेगी ये फिल्म

बताया जा रहा है कि यह फिल्म प्रियदर्शन के 100वें डायरेक्शन प्रोजेक्ट से पहले जल्दी में बनाई जाएगी। उनकी 100वीं फिल्म में मोहनलाल नजर आएंगे और इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू हो सकती है।

हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है।

अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।''

हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।''

हंसिका ने आगे कहा, ''यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।''

उन्होंने कहा, ''इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।''

कॉकटेल 2 में होगी दीपिका पादुकोण की एंट्री

दीपिका पादुकोण बीते दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद सुर्खियों में आ गई थीं। इस बीच अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने वेरोनिका के किरदार में वापसी कर सकती हैं। ऐसी चर्चाएं हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने 'कॉकटेल' के किरदार में ही कैमियो कर सकती हैं। जानिए आखिर क्यों उठीं ऐसी चर्चाएं हैं और क्या है सच्चाई? दरअसल, रेडिट पर एक पोस्ट के बाद से ही फैंस के बीच इस बात को लेकर खूब चर्चा हो रही है कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में 2012 की 'कॉकटेल' के लोकप्रिय और बिंदास किरदार वेरोनिका में कैमियो करेंगी। पोस्ट के अनुसार, दीपिका कुछ महीने पहले मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस गई थीं। उस समय कई लोगों ने अनुमान लगाया था कि यह मुलाकात 'महावतार' से जुड़ी थी। लेकिन पोस्ट में दावा किया गया है कि दरअसल उन्हें सीक्वल में वेरोनिका के किरदार में आने के लिए बार-बार संपर्क किया जा रहा था। उन्होंने इसके लिए हामी भर दी और उसी दौरान अपने हिस्से की शूटिंग भी कर ली। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2012 की 'कॉकटेल' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार फिल्म की कहानी बिल्कुल अलग होने की बात कही जा रही है।

क्या 'पेद्दी' में कैमियो करेंगी श्रुति हासन

राम चरण की अदाकारी वाली फिल्म 'पेद्दी' जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा है। खबरें हैं कि फिल्म के निर्माता श्रुति हासन को लेकर एक स्पेशल गाने की योजना बना रहे हैं।

गल्ट के मुताबिक श्रुति हासन को 'पेद्दी' में एक स्पेशल कैमियो रोल के लिए साइन किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह अभिनेत्री एक डांस नंबर में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अभी बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गाने की शूटिंग 26 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद में शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक श्रुति के इस फिल्म में शामिल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के लेखक और निर्देशक बुची बाबू सना हैं। यह फिल्म पहले 27 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद, इसे एक बार फिर टालकर जून 2026 कर दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

'पेद्दी' के बारे में

खबरों के मुताबिक फिल्म 'पेद्दी' की कहानी एक क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने कंपोज किया है।

मृणाल ने किया मना

इससे पहले, ऐसी खबरें थीं कि इसी स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल ठाकुर पर विचार किया जा रहा था। लेकिन, अब माना जा रहा है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है, जिससे अब श्रुति हासन के इस फिल्म में आने की संभावना बढ़ गई है।

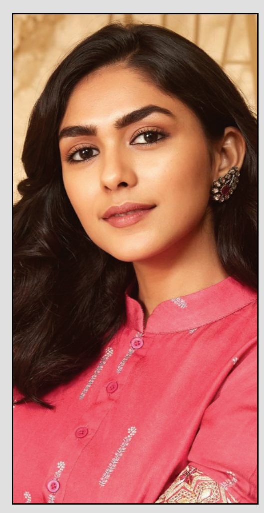

हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे राणा दग्गुबाती अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार 'भूत बंगला' की कामयाबी से खुश हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही एक बड़े बजट की हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में काम करने वाले हैं। उनके साथ साउथ के कलाकार राणा दग्गुबाती होंगे। इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से काफी चर्चा हो रही है। राणा दग्गुबाती एक महत्वाकांक्षी हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। इसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी। इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रखा है। ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। हालांकि प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। इस बड़े प्रोजेक्ट को करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रहा है। इससे लगता है कि यह प्रोजेक्ट पैन-इंडिया लेवल का होगा। इस फिल्म को चंदू मोंडेती डायरेक्ट करेंगे। चंदू को 'कार्तिकेय 2' को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है। वह पुरानी पहेलियों और रहस्यों पर आधारित कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं। खबरें हैं कि राणा दग्गुबाती फिल्म 'जय हनुमान' की कास्ट में शामिल हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आई है। यह फिल्म, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है।

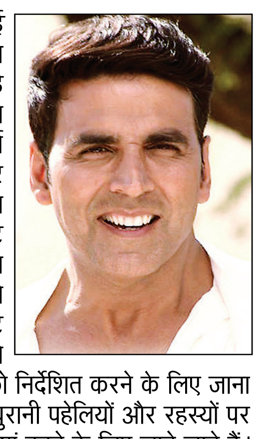

गिन्नी वेड्स सनी 2 में पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला

'लैला मजनू', 'ओ रोमियो' जैसी फिल्में हों या 'खाकी: द बिहार चैप्टर', 'काला', 'बंबई मेरी जान' जैसी वेब सीरीज, एक्टर अविनाश तिवारी ने पर्दे पर इंटेंस, ग्रे और गंभीर भूमिकाओं में अपनी अलग धाक जमाई है। लेकिन अब अपनी नई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में वह पहली बार नाच-गाने, रोमांस वाली फुल मसाला एंटरटेनर में नजर आ रहे हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत।

ऐसा क्या ढूंढ़ रहे हैं लड़की में, जो नहीं मिल रही?

मेरी जो जरूरतें या चाहतें हैं वो तो अपनी जगह है मगर सबसे जरूरी बात ये है कि वो मुझे झेल पाए। शादी के रिश्ते के सफल होने के लिए बहुत जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे के लिए झेल पाएं। मेरा मानना है कि मुझे झेलना थोड़ा मुश्किल है। जैसे, फिल्म में सनी जैसे आदमी को लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा का रूप सरीखी गिन्नी संभाल सकती है। मेरे जैसे आदमी को झेलने के लिए एक पार्वती भी चाहिए तो ऊपरवाला जब ऐसा कोई बनाएगा तो देखेंगे।

आपको लगता है कि यह फिल्म सही समय पर थिएटर में आ रही है, क्योंकि हाल ही में 'धुरंधर' देखने के लिए दर्शक भर-भरकर कर सिनेमा हॉल पहुंचे?

यह एक चक्र होता है, जिसमें कुछ फिल्में ऐसी आएंगी जो बहुत बिजनेस करेंगी। फिर कुछ ऐसी फिल्में होंगी जो बिल्कुल नहीं चलेंगी। मुझे लगता है कि यह किसी को नहीं पता कि कौन सी चीज दर्शकों को थिएटर में ला सकती है। जब फिल्म चल जाती है तो सब लोग जीनियस हो जाते हैं। सबको पता हो जाता है कि क्या करना है। वहीं, जब फिल्म नहीं चलती है तो हर कोई बोलता है कि इन्हें कुछ नहीं पता, कुछ नहीं आता कि कैसे आएगी ऑडियंस? पर हर किसी की कोशिश तो यही होती है कि उन्होंने जो बनाया है, वो ऑडियंस को पसंद आए। कोई इसलिए तो फिल्म बनाता नहीं है कि कोई उसे देखने ना आए। रही बात 'धुरंधर' की, तो वह बहुत अच्छे से बनाई गई फिल्म है। उसका क्राफ्ट लाजवाब है, स्टोरी टेलिंग जबरदस्त है। वह एक फिल्म है, उसमें कुछ लोग रिएलिटी ढूंढ़ने लगे तो उनकी दिक्कत है। लोगों के अपने-अपने नैरेटिव हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता लेकिन जहां तक फिल्म मेकिंग के क्राफ्ट की बात है, वो टॉप नॉच है। अच्छी बात यह है कि ऑडियंस भी इवॉल्व हो रही है। इससे उम्मीद बंधती है कि अगर लोग क्वॉलिटी वर्क को सराहेंगे, तो जो लोग क्वॉलिटी काम करते हैं उनका कद बढ़ेगा और मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो।

इस फिल्म में पहली बार नाच-गाना, रोमांस-कॉमिडी सब करते दिख रहे हैं। यह अनुभव कितना अलग रहा?

मुझे बहुत मजा आया क्योंकि पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला और हर एक्टर ऐसी फिल्म करना चाहता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह फिल्म मिली। खास बात यह है कि इसे शूट करने से दो दिन पहले तक मैं जो फिल्म शूट कर रहा था वो बहुत ही इंटेंस था तो मुझे इतना वक्त ही नहीं मिल पाया कि मैं उस जोन से निकलकर इसमें आ पाऊं। इसके बावजूद, सब कुछ बहुत मजेदार तरीके से हो पाया, उसका एक बड़ा श्रेय मेरी को-एक्टर मेधा शंकर को जाता है। जब मैं सेट पर आया तो उनका पहला सवाल था- आज रात को हम कहां घूमने जा रहे हैं? तो ऐसी फिल्म के लिए एक जो एनर्जी होनी चाहिए, वो शुरू में ही सेट हो गई। वह इतनी खुशदिल इंसान हैं, जैसे रेगिस्तान में कहीं-कहीं जो हरियाली होती है न, वैसा था।

जम्मू में निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरा, कई मजदूर मलबे में दबे

-सेना, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर; रेस्क्यू ऑपरेशन तेज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू जिले के बंतलाब–ठथर इलाके में शुक्रवार शाम एक निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना करीब शाम 4 बजे उस समय हुई, जब पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया और वहां काम कर रहे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार 4 से 6 मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। इसके साथ ही बचाव कार्य के लिए भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं। मौके पर बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रेस्क्यू टीमें सावधानीपूर्वक मलबा हटाकर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक अभी तक प्रभावित मजदूरों की सटीक संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। हालांकि सभी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

ठाणे में भाजपा सांसद सावर की कार का एक्सीडेंट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शुक्रवार सुबह भाजपा सांसद हेमंत सावर की कार का एक्सीडेंट हो गया। हादसा घोड़बंदर रोड पर हुआ, जब उनकी कार सामने से आ रहे एक डंपर से टकरा गई। दुर्घटना में सांसद सावर सुरक्षित बच गए, जबकि उनके कार चालक को हल्की चोटें आई हैं। टक्कर के बाद कार के एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सूचना मिलते ही नायगांव पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और मदद पहुंचाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निजामुद्दीन–मुंबई ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार, ट्रॉली बैग में छिपाया था मेथम्फेटामाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मुंबई जा रही निजामुद्दीन ट्रेन में ड्रग्स तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, इसमें सूरत रेलवे स्टेशन पर एक महिला को करीब 6.30 करोड़ रुपये की मेथम्फेटामाइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। जानकारी के अनुसार, जांच एजेंसी को पहले से सुराग मिला था कि एक महिला ट्रेन में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर यात्रा कर रही है, यहां तक कि उसकी सीट संख्या की पता चल गई थी। इसके बाद डीआरआई की टीम ने सूरत स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। शुरुआती पूछताछ में महिला ने खुद को सामान्य यात्री बताया, जिससे डीआरआई अधिकारियों को तुरंत कोई शक नहीं हुआ। लेकिन जब महिला के ट्रॉली बैग की गहन जांच हुई, तब सच्चाई सामने आ गई। बैग के निचले हिस्से में टेप की मदद से ड्रग्स के पैकेट चिपकाए गए थे, जबकि ऊपर कपड़े और जूतों के डिब्बे इस तरह रखे गए थे कि किसी को शक नहीं हो। गिरफ्तार महिला की पहचान 45 वर्षीय मेलारियो हेनरी के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के नासिक की निवासी है। बरामद मेथम्फेटामाइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 6.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बरामदगी दर्शाती है कि तस्कर बेहद चालाक और संगठित तरीके से काम कर रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद महिला को सूरत की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने महिला को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फिलहाल डीआरआई अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं और ड्रग्स के स्रोत, सप्लाई चेन तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में मामला एक बड़े संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। जांच अधिकारियों को संदेह है कि इस तस्करी के पीछे अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हाथ हो सकता है। दिल्ली से सूरत होकर मुंबई तक इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स की सप्लाई किसी बड़े लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की ओर इशारा करती है। डीआरआई अब दिल्ली और मुंबई में भी जांच का दायरा बढ़ा रही है।

हमें सरकार से पैसा नहीं चाहिए, मासूमों की मौत के हत्यारे चाहिए

-मणिपुर में बम धमाके में मृत भाई-बहनों का 25 दिन बाद भी अंतिम संस्कार नहीं

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के ट्रोंगलाओबी गांव में 7 अप्रैल को बम धमाके में 5 साल के बच्चे और उसकी 6 माह की बहन की मौत हो गई थी। दो भाई–बहनों का शव 25 दिन बाद भी इंफाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रखे हैं। इस हमले का आरोप संदिग्ध कुकी उग्रवादियों पर लगाया गया है। इन मासूम मौतों ने मणिपुर हिंसा के दर्द को कई गुना बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुले खेतों के पास बने घर में घुसते ही दीवार और आसपास मौजूद टिन की चादरों पर बम के छर्रों से हुए छेद दिल दहला देते हैं। जिस खिड़की पर बम फोड़ा गया था, उसकी मरम्मत करा दी गई है, लेकिन पूरा परिवार सदमे में है। बच्चों के बुजुर्ग दादा बाबुटन ओइनाम कहते हैं सरकार 10–10 लाख रुपए लेकर बच्चों का अंतिम संस्कार करने को कह रही है, लेकिन हमें पैसा नहीं चहिए। हमें हत्यारे चाहिए। मणिपुर की बीजेपी सरकार ने इस घटना की जांच एनआईए को सौंपी है। हैरानी वाली बात ये है कि शुरुआत में कुछ संदिग्ध कुकी उग्रवादियों को गिरफ्तार करने की खबरें आई थी, लेकिन आरोपी कौन हैं, कहां के हैं, ऐसे कई सवालों पर सरकार और पुलिस चुप्पी साधे हुए है। बाबुटन ने बताया कि सरकार जिन तीन लोगों को पकड़ने का दावा कर रही है, उनके बारे में लोग कह रहे हैं कि ये उग्रवादी पहले से जेल में बंद हैं। फिर पुलिस ने उन्हीं को दोबारा क्यों गिरफ्तार किया? इन्हीं झूठे दावों के चलते हम अपने बच्चों के शव अब तक घर नहीं लाए। रिपोर्ट के मुताबिक बाबुटन ओइनाम ने कहा कि हम तब तक अपने बच्चों का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे, जब तक उन्हें मारने वालों को सरकार गिरफ्तार कर सजा नहीं दे देती है। पुलिस ने किसे गिरफ्तार किया, हमें नहीं पता। उन निर्दयी लोगों ने एक ऐसी नन्हीं बच्ची को मार डाला, जिसने जन्म के बाद अन्न का एक दाना भी नहीं चखा था। उन्होंने कि कि गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम सिंह घटना के बाद हमारे घर पर आए थे। हमने उनसे दो टूक कहा हत्यारों को हमारे सामने सजा दो।

उत्तर से लेकर पूर्वोत्तर तक बदलेगा मौसम का मिजाज

धूल भरी आंधी और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई महीने की शुरुआत के साथ ही देश के बड़े हिस्से में मौसम के मिजाज में व्यापक बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने उत्तर, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के लिए विशेष चेतावनी जारी की है, जिसमें मैदानी इलाकों में धूल भरी आंधी और गरज के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि इस बदलाव से तपती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन आंधी, बिजली गिरने और भारी वर्षा के कारण सुरक्षा का खतरा भी बना रहेगा।

राजधानी दिल्ली सहित हरियाणा और चंडीगढ़ में 1 से 6 मई के बीच मौसम का असर दिखेगा। इस दौरान इन क्षेत्रों में 40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी 6 मई तक मौसम अस्थिर रहने वाला है। राजस्थान, विशेषकर पूर्वी हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ छिटपुट बारिश के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और

हिमाचल प्रदेश में 5 मई तक मौसम सबसे अधिक सक्रिय रहेगा, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में यातायात और सामान्य जीवन प्रभावित हो सकता है। पूर्वी भारत में मौसम का सबसे आक्रामक रूप देखने को मिल सकता है। बिहार और झारखंड में अगले एक सप्ताह तक आंधी-तूफान का सिलसिला जारी रहने का पूर्वानुमान है। बिहार में 2 मई से 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाला भीषण तूफान और भारी बारिश आने की आशंका है, जिसे लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ओडिशा के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की भी प्रबल संभावना जताई गई है। पूर्वोत्तर राज्यों–असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में स्थिति चिंताजनक हो सकती है। अगले चार दिनों तक यहां मूसलाधार बारिश का अनुमान है। विशेष रूप से असम और मेघालय में 2 और 3 मई को अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मध्य भारत के राज्यों, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में 50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, वहीं छत्तीसगढ़ में 4 मई को 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाले तूफान की चेतावनी दी गई है, जो काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

खेड़ा मामले में कांग्रेस सीएम सरमा पर हमलावर, पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखे

-सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद सियासी पारा चढ़ा हुआ है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को 'सच्चाई और न्याय की जीत' करार देकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने फैसले पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि सच्चाई की जीत हुई है और न्याय हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा को अपनी पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय उन्होंने पवन खेड़ा को अपमानित करने के लिए दिल्ली और हैदराबाद में पुलिस भेजी। कांग्रेस सांसद तिवारी ने सरमा की इस कार्रवाई को सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की कार्रवाई स्वीकार्य नहीं हो सकती और यह राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट उदाहरण है।

पूरे मामले में कांग्रेस ने भाजपा पर लगातार निशाना साधकर कहा कि विपक्षी नेताओं को दबाने की कोशिश हो रही है। पार्टी का कहना है कि अदालत के फैसले ने साफ किया है कि कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही थी। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने असम के मुख्यमंत्री सरमा के इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि इस मामले के बाद नैतिक आधार पर उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

फतेहाबाद पुलिस का प्रहार: एंटी नारकोटिक सेल ने भूना में 6.25 ग्राम हेरोइन सहित युवक को दबोचा

अर्बन स्पाइस होटल के पास मोटरसाइकिल सहित खड़ा आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/भूना।

रजत विजय रंगा। फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद की टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने भूना क्षेत्र में नाकाबंदी और गश्त के दौरान एक युवक को हेरोइन (चिट्टा) सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान मंदीप उर्फ होक्का पुत्र रामपाल, निवासी वार्ड न0 4, थैड मौहल्ला, भूना के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी निरिक्षक साधुराम ने जानकारी देते हुए बताया की पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु बस अड्डा भूना के पास मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अपनी स्पलेंडर मोटरसाइकिल पर अर्बन स्पाइस होटल के पास हेरोइन बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने बिना समय गवाए बताए गए स्थान पर दबिश दी और मोटरसाइकिल के पास खड़े युवक को काबू कर लिया व नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 6.25 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ थाना भूना में मुकदमा नंबर 102/2026, धारा 21ङ-61-85 एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से गहनता से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्यवाही: सुखचैन नहर के पास 8.08 ग्राम हेरोइन सहित दो युवक काबू

सीआईए रतिया की टीम ने अलीका निवासी गुरविन्द्र और विक्रमजीत को रंगे हाथों दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा। फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपराध जांच शाखा (सीआई ए) रतिया की टीम ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने सुखचैन नहर, लालवास के पास मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गुरविन्द्र सिंह उर्फ गिन्दी और विक्रमजीत उर्फ विक्की निवासियान अलीका के रूप में हुई। सीआईए रतिया प्रभारी उप निरिक्षक प्रदीप ने जानकारी देते हुए बताया की पुलिस टीम गश्त के दौरान जब गांव लालवास के पास सुखचैन नहर पटरी पर पहुंची, तो सामने से एक मोटरसाइकिल पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस की गाड़ी देखकर युवकों ने मोटरसाइकिल मोड़ने की कोशिश की, शक होने पर पुलिस ने दोनों को काबू किया व नियमानुसार तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से 8.08 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों के खिलाफ थाना सदर रतिया में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21बी ,27ए-61-85 के तहत मुकदमा 86/2026 दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आरोपियों से गहनता से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में योगी नाथ समाज द्वारा गुरु गोरखनाथ जी का प्रकटोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में योगी नाथ समाज के तत्वावधान में महायोगी गुरु गोरखनाथ जी का प्रकटोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने किठाना एवं मालसर में योगी नाथ समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। किठाना के साथ-साथ मालसर में माननीय विधायक श्री राजेन्द्र भाम्बू की अनुशंसा पर निर्मित इंटरलॉक सड़क का लोकार्पण किया गया, जिससे स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान माननीय विधायक श्री राजेन्द्र भाम्बू ने गुरु गोरखनाथ जी के आदर्शों, योग, तप और समाज सुधार में उनके योगदान पर

प्रकाश डाला तथा समाज को एकजुट होकर शिक्षा, संस्कार और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर योगी नाथ समाज की होन्हार बालिकाओं एवं बालकों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया, जिससे उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिले। कार्यक्रम में धर्मपाल योगी (प्रदेश संयोजक), बेनी प्रसाद योगी (जिला अध्यक्ष, योगी नाथ समाज), शैलेश योगी (युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष), हिरेंद्र जी धनखड़ (किठाना सरपंच प्रतिनिधि), सुभाष योगी, रणजीत योगी, पंकज योगी, बूधराम योगी, सांवरमल योगी, योगी मोहननाथ, उम्मेद जी (पाटूसरी सरपंच) सहित समाज के अनेक गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन गुरु गोरखनाथ जी के जयघोष एवं सामाजिक एकता के संदेश के साथ हुआ।

राहुल के आरोपों पर बोले पूर्व वायू सेना प्रमुख

भारत की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर देश में राजनीतिक और रणनीतिक बहस तेज हो गई है। पूर्व वायुसेना प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी के नेता आरकेएस भदौरिया ने इस परियोजना पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भदौरिया ने स्पष्ट किया कि यह प्रोजेक्ट केवल विकास का जरिया नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा।

हाल ही में राहुल गांधी ने इस परियोजना को पर्यावरण और आदिवासियों के खिलाफ एक बड़ा अपराध करार दिया था। उन्होंने दावा किया था कि 160 वर्ग किलोमीटर के वर्षावन और लाखों पेड़ों की कटाई से भारी विनाश होगा। हालांकि, इन दावों का जवाब देते हुए आरकेएस भदौरिया ने कहा कि यह नैरेटिव पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने जानकारी दी कि परियोजना से कुल वन क्षेत्र का केवल 1.78 प्रतिशत हिस्सा ही प्रभावित होगा। साथ ही, आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष समितियों का गठन किया गया है, जिससे उनके लिए विकास के नए द्वार खुलेंगे। भदौरिया ने इस मेगा-प्रोजेक्ट के सामरिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसमें एक अंतराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांस-शिपमेंट बंदरगाह, एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा (नागरिक और सैन्य उपयोग हेतु), 450 मेगावाट का पावर प्लांट और करीब 6.5 लाख लोगों की क्षमता वाली एक नियोजित टाउनशिप शामिल है।

यह परियोजना सामरिक दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत को स्ट्रेट ऑफ मलक्का और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे प्रमुख वैश्विक व्यापारिक मार्गों के बेहद करीब स्थापित करेगी। दुनिया का लगभग 25-30 प्रतिशत व्यापार इसी मार्ग से होता है और चीन का 75 प्रतिशत ऊर्जा आयात इसी रास्ते पर निर्भर है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता बढ़ेगी और चीन की बढ़ती गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। वहीं, सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस प्रोजेक्ट का समर्थन किया है। पूर्व मेजर जनरल केके सिन्हा ने इसे देश के लिए एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने

चेतावनी दी कि कुछ विदेशी शक्तियां और विरोधी देश नहीं चाहते कि भारत इस क्षेत्र में मजबूत हो। उन्होंने देश के भीतर उठ रहे विरोध को एक विशेष एजेंडे का हिस्सा बताते हुए कहा कि यह परियोजना भारत की समुद्री और हवाई शक्ति को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगी।

मातृभाषा पर गर्व करना जरूरी, भाषा के नाम हिंसा या भेदभाव को बर्दाश्त नहीं

–महाराष्ट्र में मराठी भाषा के अनिवार्यता को लेकर बढ़ती बहस सीएम बोले

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा के अनिवार्यता को लेकर बढ़ती बहस के बीच सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि जहां अपनी मातृभाषा पर गर्व करना जरूरी है, वहीं, राज्य सरकार भाषा के आधार पर होने वाली हिंसा या भेदभाव को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने महाराष्ट्र दिवस के मौके पर कहा कि राज्य में रहने वाले हर व्यक्ति को स्थानीय भाषा सीखनी चाहिए, उन्होंने भाषाई गौरव के नाम पर हिंसा या डराने-धमकाने के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य सरकार ने रिक्शा चालकों को मराठी बोलने और जिनको नहीं आती उनको सीखने के लिए अनिवार्य कर दिया है, जिसके बाद

रिक्शा यूनियनों ने विरोध किया। रिक्शा यूनियनों के विरोध की वजह से सरकार को अनुपालन की समय सीमा अगस्त तक बढ़ानी पड़ी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने सवाल उठाया कि किसी में मराठी बोलने से इनकार करने की हिम्मत कैसे हो सकती है? जिसके बाद मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया। राज ठाकरे ने सरकार की नरमी की आलोचना करते हुए सुझाव दिया कि नियमों का पालन न करने वाले चालकों के परमिट रद्द कर दिए जाने चाहिए।

राज ठाकरे को जवाब देते हुए, सीएम फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र कभी भी संकीर्ण सोच वाला राज्य नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने कभी भी ऐसी मानसिकता नहीं रखी कि प्रवासी यहां न रहें या यहां केवल कुछ खास लोग ही रहें। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें सिखाया है कि महाराष्ट्र धर्म इस तरह के बहिष्कार का समर्थन नहीं करता। मुझे यह देखकर गर्व होता है कि मेरे मराठी भाई देश भर में जिस भी राज्य में रहते हैं, वहां की संस्कृति और विकास में योगदान दे रहे हैं।

सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले हर व्यक्ति को मराठी सीखनी चाहिए। उन्होंने जोर-जबरदस्ती को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा निवासियों को भाषा सीखने में मदद करना है। फडणवीस ने कहा कि मराठी एक सुंदर और सरल भाषा है, जिसे बिना किसी संघर्ष या हमले का सहारा लिए आसानी से सिखाया जा सकता है।

2050 तक जानलेवा गर्मी का खतरा, प्रलय जैसी स्थिति से दहशत में दुनिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। आने वाले दो दशक मानवता के अस्तित्व के लिए सबसे निर्णायक साबित होने वाले हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स और वैज्ञानिकों की चेतावनियां एक भयावह भविष्य की ओर इशारा कर रही हैं। यदि वर्तमान उत्सर्जन और प्रकृति के दोहन की गति यही रही, तो साल 2040 से 2050 के बीच दुनिया के कई शहरों में गर्मी इतनी जानलेवा हो जाएगी कि बिना कृत्रिम कूलिंग के घर से बाहर निकलना मौत को दावत देने जैसा होगा।

प्रकृति, जो प्रो-क्रिएशन यानी जीवन की उत्पत्ति का आधार है, उसे आज हम अपनी लालसा से बांझ बना रहे हैं। इसे एक रूपक से समझें तो जब धन का दुरुपयोग करने वाले दुर्योधन और गलत नीतियों का साथ देने वाले दुशासन मिलते हैं, तो वे प्रकृति रूपी पांचाली का चीरहरण करते हैं। हम इंसान ही आज प्रकृति के पांच तत्वों का अपमान कर रहे हैं, जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना होगा। आज हम संपत्ति खड़ी कर सकते हैं, लेकिन 20 साल बाद जब वही जमीन बाढ़ या भूस्खलन में समा जाएगी और लहलहाते खेत सूरज की तपिश से जल जाएंगे, तब उस धन का कोई मूल्य नहीं बचेगा।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक शहरों में खतरनाक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में 700 प्रतिशत की वृद्धि होगी। दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत जैसे देशों में हीट इंडेक्स 51डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जहां इंसान कुछ घंटों से ज्यादा बाहर नहीं रह पाएगा। यह गर्मी केवल एक मौसम नहीं, बल्कि एक साइलेंट किलर बन जाएगी।

जल संकट की स्थिति और भी भयावह है। हिमालय के ग्लेशियर, जो एशिया की जीवनरेखा हैं, 2050 तक अपने अधिकतम पिघलाव (पीक वॉटर) तक पहुंच जाएंगे। इसके बाद नदियों में पानी कम होने लगेगा। अनुमान है कि 2100 तक 50 से 80 प्रतिशत ग्लेशियर खत्म हो जाएंगे, जिससे गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां सूखने की कगार पर होंगी। इसका सीधा असर खेती, बिजली उत्पादन और दो अरब लोगों की प्यास पर पड़ेगा। बढ़ते तापमान और सूखती नदियों के कारण लाखों प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रलय जैसा यह माहौल इस सदी के अंत तक पूरी तरह प्रभावी हो सकता है, लेकिन यदि उत्सर्जन कम नहीं हुआ तो यह संकट 2070 तक ही दस्तक दे देगा। अब फैसला हमारे हाथ में है हमें अपने बच्चों को सूखी नदियां और जहरीली गर्मी वाला प्रलय देना है या एक सुरक्षित और हरी-भरी प्रकृति। 2040-2050 का दशक हमारे सुधार का आखिरी मौका है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com